



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 23]

नई दिल्ली, शनिवार, जून 9, 1990 (ज्यैष्ठ 19, 1912)

No. 23]

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 9, 1990 (JYAISTHA 19, 1912)

इस भाग में छिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 4

[PART III—SECTION 4]

सांख्यिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

ग्रोरियन्टल बैंक आफ कामर्स

वित्तीय विभाग

प्रधान कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1990

सं० 3911—बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अन्वरण) अधिनियम, 1980 (1980 का 40) की धारा 19 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए ग्रोरियन्टल बैंक आफ कामर्स का निदेशक मण्डल भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श से तथा केन्द्रीय सरकार की पूर्वानुमति से ग्रोरियन्टल बैंक आफ कामर्स (अधिकारी) सेवा विनियम, 1982 में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाता है।

2. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—ये विनियम ग्रोरियन्टल बैंक आफ कामर्स (अधिकारी) सेवा संशोधन विनियम, 1990 कहलाये जायेंगे।

(ii) ये विनियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

3. विनियम 2 में संशोधन :

- 2 (1) ये विनियम बैंक के सभी अधिकारियों तथा बैंक के उन कर्मचारियों पर लागू होंगे जिन पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा इन्हें लागू किया जायेगा और इनकी सीमा तथा शर्तें ऐसे प्राधिकारी द्वारा निश्चित की जायेंगी।
- (2) ये विनियम भारत के बाहर स्थानांतरित/तैनात/प्रतिनियुक्त हुए अधिकारियों पर भी, सक्षम प्राधिकारी

द्वारा विशिष्ट रूप से अथवा सामान्य तौर पर निर्धारित की गई सीमा को छोड़कर, लागू होंगे।

- (3) तथापि, ये विनियम भारत के बाहर किसी भी देश में नियुक्त/लगे हुए तथा वहाँ स्थायी रूप में सेवारत कर्मचारियों पर लागू नहीं होंगे।

पी० के० मेहरा
मुख्य प्रबन्धक (कामिक)

सिडिकेट बैंक

औद्योगिक संबंध प्रभाग

कामिक विभाग

प्रधान कार्यालय

मणिपाल दिनांक 18 मई 1990

सं० 470/एस०/0090/पी० डी०/आई० आर० डी० (प्रो०)--बैंकिंग कम्पनी (उपक्रमों का अर्जन और अन्तर्गण) अधिनियम 1970 (1970 का 5) की धारा 19 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए सिडिकेट बैंक के निदेशक मंडल ने भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करके और केन्द्र सरकार की पूर्वानुमति प्राप्त करके सिडिकेट बैंक (अधिकारी) सेवा विनियम 1979 का एतद्वारा संशोधन किया है जो निम्न प्रस्तुत है :-

(1) संक्षिप्त नाम एवं प्रारम्भ :-

(i) इन विनियमों को सिडिकेट बैंक (अधिकारी) सेवा (संशोधन) विनियम 1990 कहा जाएगा।

(ii) ये विनियम भारत के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

(iii) संशोधन के विवरण :

विनियम संख्या	संशोधित विनियम
1	2
3(क)	"वेतन" का आशय है प्रगतिरोध वेतन वृद्धि सहित मूल वेतन।
3(क)	"कुल वेतन" का आशय है मूल वेतन तथा मंहगाई भत्ते का कुल योग
4(1)	01-02-1984 को और उस तारीख से प्रत्येक श्रेणी के सामने लिखे गए वेतन मान के अनुसार अधिकारियों की चार निम्न-लिखित श्रेणियाँ होंगी :-- (क) उच्च कार्यपालक श्रेणी-- मान 7 रु० 4,100-125-4,600 मान 6 रु० 3,850-125-4,350

1 2

(ख) वरिष्ठ प्रबंध श्रेणी--

मान 5 रु० 3,575-110-8,685-115-3,800

मान 4 रु० 2,925-105-3,450

(ग) मध्य प्रबंध श्रेणी--

मान 3 रु० 2,650-100-3,250

मान 2 रु० 1,825-100-2,925

(घ) कनिष्ठ प्रबंध श्रेणी--

मान 1 रु० 1175-60-1475-70-1895-व०रो०-95-2275-100-2,675 01-11-1987 को और उस तारीख से हर श्रेणी के आगे सूचित वेतनमान निम्न-प्रकार होंगे।

(क) उच्च कार्यपालक श्रेणी--

मान 7 रु० 6400-150-7000

मान 6 रु० 5950-150-6550

(ख) वरिष्ठ प्रबंध श्रेणी--

मान 5 रु० 5350-150-5950

मान 4 रु० 4520-130-4910-140-5050-150-5350

(ग) मध्य प्रबंध श्रेणी--

मान 3 रु० 4020-120-4260-130-4910

मान 2 रु० 3060-120-4260-130-4390

(घ) कनिष्ठ प्रबंध श्रेणी--

मान 1 रु० 2100-120-4020,

बशर्त कि विनियमन 8 के अन्तर्गत जारी किए गए सरकार के मार्गदर्शी सिद्धांतों के अनुसार कथित वेतनमान में नियतन करने के बाद नियुक्ति की तारीख को प्रचलित वेतनमान के अधीन कार्यरत हर अधिकारी के वेतनमान का नियतन उपयुक्त मान में सरकार के मार्गदर्शी सिद्धांतों के अनुसार किया जाएगा।

5(1)

निम्नलिखित उपखंडों की शर्त पर 1-11-87 को और उस तारीख से वेतन वृद्धि मंजूर की जाएगी।

1	2	1	2
	(क) सक्षम प्राधिकारी की संस्वीकृति के आधार पर विनियम 4(1) में निर्धारण विभिन्न श्रेणियों में उल्लिखितानुसार वेतनवृद्धियों का उपार्जन वार्षिक आधार पर होगा जिसकी मंजूरी उस माह के प्रथम दिन की जाएगी जब कि वह देय होगा।		जिन्होंने सी०ए० आई० आई० (i) एक वर्ष के बाद रु० 100 बी० के दोनों भाग पास किए प्र० माह जिसमें से रु० 75 को अधिवर्ष लाभ के हिसाब में परिकलित किया जाएगा।
	(ख) मान 1 और मान 2 के अधिकारियों को अपनी श्रेणी में अधिकतम मान प्राप्त करने के एक वर्ष बाद केवल निम्न "ग" में सूचितानुसार अनुवर्ती उच्चतर मान में प्रगतिरोध वेतनवृद्धि (यां) सहित आगे वेतन वृद्धि प्रदान की जाएगी बशर्ते कि उन्होंने दक्षता-रोध पार किया हो।		(ii) दो वर्षों के बाद रु० 250 प्र० माह जिसमें से रु० 200 को अधिवर्ष लाभ के हिसाब में परिकलित किया जाएगा।
	(ग) उपयुक्त (ख) में उल्लिखित अधिकारियों सहित जो, मध्य प्रबंध श्रेणी वेतनमान II और III के अधिकतम मान एक में पहुँचते हैं उन्हें यथा स्थिति वेतनमान II या III के अन्तिम मान को पहुँचने के बाद हर तीन पूर्ण वर्षों की सेवा के लिए प्रगतिरोध वेतनवृद्धि (यां) मंजूर की जाएगी/जाएगी बशर्ते कि वेतनमान II में अन्तिम वेतनमान प्राप्त अधिकारियों के लिए रु० 130/- की दो ऐसी वेतनवृद्धियाँ और वेतनमान III के अन्तिम वेतनमान प्राप्त अधिकारियों को रु० 140/- की एक ऐसी वेतन वृद्धि मंजूर की जाएगी।		नोट :—यदि कोई अधिकारी, जो व्यावसायिक योग्यता भत्ता प्राप्त कर रहा है, अगले उच्चतर वेतनमान को पदोन्नत होता है तो, उसे सी० ए० आई० आई० बी० पास करने पर पदोन्नति वेतनमान में उपलब्ध हद तक अतिरिक्त वेतन वृद्धि (यां) मंजूर की जाएगी/जायेगी और यदि उस वेतनमान में वेतन वृद्धि उपलब्ध नहीं है या केवल एक वेतन वृद्धि उपलब्ध है तो, उस अधिकारी को वेतन-वृद्धि (यां) के बदले में व्यावसायिक योग्यता भत्ता मंजूर किया जाएगा।
	नोट : अनुवर्ती उच्चतर वेतनमान की वेतन वृद्धि का आशय पदोन्नति नहीं है। ऐसी वेतन वृद्धि प्राप्त करने के बाद भी अधिकारी के विशेषाधिकार अनुलाभ, कर्तव्य, जिम्मेदारियाँ या पद, यथा-स्थिति मूल वेतनमान I या II के ही होंगे।		21. 01-11-1987 को और उस तारीख से, मंहगाई भत्ता योजना निम्न प्रकार है :
5(2)	1-1-1987 को और उस तारीख से अधिकारी अपने वेतनमान में अधिकतम सीमा तक पहुँचते हैं या पहुँचे हैं और पदोन्नति के सिवा उनके लिए आगे कोई वेतन वृद्धि नहीं है तो उन्हें सरकारी भागदर्शी सिद्धांत, यदि कोई है की शर्त पर, सी०ए० आई० आई० बी० परीक्षा पास करने पर अतिरिक्त वेतन वृद्धि के बदले व्यावसायिक योग्यता भत्ता मंजूर किया जाएगा जो निम्नप्रकार होगा :—		(i) अखिल भारतीय औसत श्रमिक वर्ग उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सामान्य) आधार 1960-100 के त्रैमासिक औसत में 600 पाइण्ट से अधिक हर 4 पाइण्ट की वृद्धि या कमी के लिए मंहगाई भत्ता प्रदेय होगा।
			(ii) प्रदेय मंहगाई भत्ता निम्नसूचित है :—
		(i)	रु० 1650/- तक "वेतन" का 0.67 % और जोड़ें
		(ii)	रु० 1650 से रु० 2835 तक "वेतन" का 0.55 % और जोड़ें
		(iii)	रु० 2835 से रु० 4020 तक "वेतन" का 0.33 % और जोड़ें
		(iv)	रु० 4020 से अधिक, "वेतन" का 0.17 %
	जिन्होंने केवल सी०ए०आई० एक वर्ष के बाद रु० 100 प्र०मा० आई०बी० का भाग 1 पास जिसमें से रु० 75 को अधिवर्ष लाभ के हिसाब में परिकलित किया है		22(1) 01-11-1987 को और उस तारीख से जहां अधिकारी को बैंक द्वारा आवास सुविधा दी गई है तो अपने वेतनमान के प्रथम चरण मूलवेतन का 6 % या आवास का मानक किराय जो भी कम हो, उससे वसूल किया जाएगा।

विनियम संख्या	संशोधित विनियम
22(2) 01-11-1987 को और उस तारीख से जहाँ अधिकारी को बैंक द्वारा आवास सुविधा नहीं दी गई है तो, वह निम्नलिखित आवास किराया भत्ते के लिए पात्र होगा :—	
	जहाँ कार्यस्थान निम्नवत् है प्रदेय आ.कि०भ०
(i) सरकार के मार्गदर्शी सिद्धांतों के अनुसार समय-समय पर सूचित "ए" वर्ग के महानगर और ग्रुप "ए" में परियोजना योजना क्षेत्र केन्द्र ।	मूल वेतन का 14% लेकिन अधिकतम रु० 375/-
(ii) क्षेत्र I में अन्य स्थान और ग्रुप "बी" में परियोजना क्षेत्र केन्द्र ।	मूलवेतन का 12% लेकिन अधिकतम रु० 300/-
(iii) क्षेत्र II और उपर्युक्त (i) और (ii) में उल्लेख न किए राज्यों की राजधानी व संघ शासित क्षेत्रों की राजधानी	मूलवेतन का 10% लेकिन अधिकतम रु० 250/-
(iv) क्षेत्र III	मूलवेतन का 8% लेकिन अधिकतम रु० 225/-

प्रावधान किया गया है कि यदि अधिकारी भाड़ा रसीद प्रस्तुत करता है तो, वास्तविक भाड़ा रकम में जो रकम उसके वेतनमान के प्रथम चरण के मूल वेतन के 6% से अधिक होती है, वह उसको प्रदेय आवास किराया भत्ता होगा, अन्यथा प्रदेय अधिकतम आवास किराया भत्ते का 160% अधिकतम होगा ।

22(3) जब अधिकारी अपने निजी आवास में निवास करता तो उसे उपविनियम (2) के प्रावधान के आधार पर आवास किराया भत्ता प्रदेय होगा, ऐसी स्थिति में यह माना जाएगा कि वह निम्नलिखित "क" अथवा "ख" जो भी अधिक हो, का बारहवां भाग मासिक किराए के रूप में देता हो ।

"क"

निम्नलिखित का कुल योग —

- आवास के लिए देय नगर पालिका कर एवं
- भूमि मूल्य सहित आवास की पूंजी लागत का तथा यदि आवास किसी भवन का एक हिस्सा है तो, आवास के लिए उपयोग की गई भूमि की पूंजी लागत के आनु-

विनियम संख्या	संशोधित विनियम
	पातक भाग का 120% जिसमें वास्तानुकूलित जैसे विशेष साज-सामान का मूल्य सम्मिलित नहीं होगा ।
	या "ख"
	नगरपालिका द्वारा मूल्यांकन करने के लिए निर्धारित, आवास का वार्षिक किराया मूल्य
	स्पष्टीकरण :—
	(1) इस विनियम के संदर्भ में "मानक किराया" का आशय है—
	(क) सरकार की प्रचलित गणना पद्धति के अनुसार आंकलित मानक किराया यदि आवास बैंक के स्वामित्व में हो,
	(ख) यदि आवास, बैंक द्वारा किराये पर लिया हो तो, बैंक द्वारा देय अनुबंधित किराया ।
23(1)	1-11-1987 को और उस तारीख के यदि वह निम्नवत् तालिका के स्तंभ 1 में सूचित स्थान में संभारित है, तो, उसके प्रागे स्तंभ में सूचित घर पर नगर प्रसिद्ध भत्ता देय होगा बशर्ते कि पक्की व मरमुगाव के शहरी क्षेत्रों को छोड़कर गोवा राज्य के अन्य स्थान में जहाँ नगर प्रसिद्ध भत्ता 1-11-1987 के प्रदेय न था 20-8-1988 में प्रदेय होगा ।
स्थान	दर
(1)	(2)
(क) क्षेत्र 1 के स्थान और गोवा राज्य में	मूलवेतन का 6½% लेकिन अधिकतम रु० 220/- प्र० मा० है
(ख) पांच लाख और उससे अधिक आवासीय वाले स्थान और राजधानियों और भंडीगड़, पंपोडिचेरी और पोर्ट ब्लायर जिनका उपर्युक्त (क) में उल्लेख न है ।	मूलवेतन का 4% लेकिन अधिकतम रु० 135 प्रति मा०

विवरण संख्या	संशोधित विनियम
23(5)	1-11-1987 को और उस तारीख से यदि किसी अधिकारी को बैं-से बाहर सेवा करने के लिए प्रतिनियुक्त किया जाता दिया जाता है तो वह अपने प्रतिनियुक्त पद में संबंधित पालिकाओं प्राप्त कर सकता है अथवा वह अपने वेतन के अतिरिक्त वेतन का 12% अधिकतम रु० 700/- प्रतिनियुक्त भत्ता और ऐसे सभी भत्ते जो उस स्थान पर नियुक्त होने परदेय हो, प्राप्त कर सकता है ।
	नैमिक प्रतिनियुक्ति से पूर्व के नियुक्त स्थान पर स्थित किसी सस्था में उसे प्रतिनियुक्त किया गया हो तो उसे वेतन का 6% अधिकतम रु० 350 प्रतिनियुक्त भत्ता देय होगा ।
	आगे प्रावधान है कि कोई अधिकारी बैंक की प्रशिक्षण संस्था में संकाय सदस्य के रूप में या बैंकिंग सेवा भर्ती बोर्ड में प्रतिनियुक्त किया जाता है तो उसे वेतन का 6 प्रतिशत अधिकतम रु० 350 प्रतिनियुक्त भत्ता देय होगा ।
23(6)	1-11-1987 को और उस तारीख से यदि वह किसी उच्च श्रेणी के पद पर लगातार कम से कम 7 दिन अथवा एक कैलेंडर माह में कुल 7 दिन स्थानापन्न आधार पर कार्य करता है तो उसे स्थानापन्न अवधि के लिए अपने वेतन का 6 प्रतिशत लेकिन अधिकतम रु० 250 प्रति मा० स्थानापन्न भत्ता देय होगा । स्थानापन्न भत्ते को केवल भविष्य के उद्देश्य के लिए वेतन माना जाएगा अन्य उद्देश्यों के लिए नहीं लेकिन विनियम 6 के अंतर्गत केवल पदों के वर्गीकरण की समीक्षा के परिणामस्वरूप यदि कोई अधिकारी उच्च श्रेणी में स्थानापन्न आधार पर कार्य करता है तो उसे वर्गीकरण की समीक्षा के कार्यान्वयन की तारीख से एक एक वर्ष की अवधि तक स्थानापन्न भत्ता देय नहीं होगा ।
23(7)	वित्तीय वर्ष 1989-90 का और उस वर्ष से यदि उसे ऐसी शाखा में नियुक्त किया जाता है जहां 31 मार्च और 30 सितम्बर को लेखा समापन कार्य किया जाता है, तो उसे हर अर्ध वार्षिक लेखा समापन

विविनियम सं०	संशोधित विनियम
	के लिए रु० 1.50 लेखा समापन भत्ता देय होगा ।
3(10)	1-11-1987 को और उस तारीख से, यदि वह निम्नलिखित तालिका के स्तंभ (1) में उल्लिखित किसी स्थान पर सेवारत है तो उसके आने स्तंभ (2) में निर्दिष्ट दर पर पहाड़ और ईंधन भत्ता देय होगा :—

स्थान	दर
(i) समुद्र तल से 1000 और उससे अधिक लेकिन 1500 से कम मीटर ऊंचाई पर स्थित स्थान	वेतन का 5 प्रतिशत लेकिन अधिकतम रु० 130/-
(ii) समुद्र तल से 1500 और उससे अधिक लेकिन 3000 से कम मीटर ऊंचाई पर स्थित स्थान	वेतन का 6/12 प्रतिशत लेकिन अधिकतम रु० 160/-
(iii) समुद्र तल से 3000 और उससे अधिक मीटर ऊंचाई पर स्थित स्थान	वेतन का 15 प्रतिशत लेकिन अधिकतम रु० 600/-

नोट : (क) समुद्र तल से 750 मीटर से अधिक ऊंचाई पर स्थित स्थान और पहाड़ों से घेरे हुए उच्चतर स्थान में, जिन्हें पहुँचने के लिए 1000 या उससे अधिक मीटर ऊंचाई पार करनी है, नियुक्त अधिकारियों को समुद्र तल से 1000 और उससे अधिक ऊंचाई पर स्थित केन्द्रों को समुद्र तल से पहाड़ और ईंधन भत्ता देय होगा ।

(ख) उपर्युक्त वर्गीकरण में न उल्लिखित केन्द्रों में अब तक प्रदत्त पहाड़ व ईंधन भत्ता रुद्ध किया गया है 1/11/1987 से 30-4-1989 तक की अवधि में प्रदत्त भत्ता बकूल नहीं किया जाएगा । 1-5-1989 से, उक्त तारीख को

विनियम संख्या	संशोधित विनियम
	या उसके पहले ऐसे केन्द्र में नियुक्त अधिकारी जहाँ उसी वेतनमान में उनकी नियुक्ति जब तक जारी रहेगी तब तक, केवल पुराने प्रावधानों के अंतर्गत 30 वीं अप्रैल तक प्रदत्त भत्तों को वेतन में लिया जाएगा।
24(1)	हर अधिकारी को अपने व अपने परिवार के लिए उसके द्वारा किए गए वास्तविक चिकित्सा व्यय की प्रतिपूर्ति निम्नलिखित आधार पर की जाएगी :—
	(क) चिकित्सा व्यय:—
	1-11-1987 को और उस तारीख से, नीचे प्रस्तुत तालिका के स्तंभ 1 में उल्लिखित वेतनमान के अधिकारी तथा उनके परिवार के लिए चिकित्सा व्यय की प्रतिपूर्ति, स्तंभ 2 में निर्दिष्ट सीमा की शर्त पर दावा की गई रकम संबंधी व्यय विवरण सहित अधिकारी द्वारा प्रस्तुत घोषणा पत्र के आधार पर की जाएगी।

तालिका

वेतनमान (1)	वार्षिक प्रतिपूर्ति सीमा (2)
₹ 2,100/- से ₹ 3,060 प्र०मा० तक	₹ 600/-
₹ 3,061/- प्र०मा० और उससे अधिक	₹ 800/-
नोट: अधिकारी अप्राप्त चिकित्सा व्यय रकम का संचयन कर सकता है लेकिन संचित राशि, उपर्युक्त अधिकतम रकम की तीन गुना रकम से अधिक न हो	
स्पष्टीकरण : इस उद्देश्य के लिए अधिकारी के परिवार में, केवल उसका पति/उसकी पत्नी पूर्णतया आश्रित बच्चे और पूर्णतया आश्रित माता-पिता सम्मिलित होंगे।	
(ख) अस्पतालीकरण व्यय:—	
(i) 1-4-1989 को और उस तारीख से, अस्पतालीकरण आवश्यक होने वाले सभी मामलों में, अधिकारी के लिए 90 प्रतिशत	

विनियम संख्या	संशोधित विनियम
	और उसके परिवार सदस्यों के लिए 60 प्रतिशत तक के अस्पतालीकरण व्यय की प्रतिपूर्ति की जाएगी।
	(ii) 1-4-1989 को और उस तारीख से निम्नलिखित बीमारियों के लिए मान्यता प्राप्त अस्पताल प्राधिकारी तथा बैंक के चिकित्सा अधिकारी द्वारा प्राप्त प्रमाण पत्र के अनुसार, घर में ही चिकित्सा लेनी है तो ऐसे चिकित्सा व्यय, अस्पतालीकरण व्यय माने जायेंगे और अधिकारी के लिए 90% और उसके परिवार सदस्यों के लिए 60% प्रतिपूर्ति की जायेगी :— कैंसर, टी० बी०, पैरालिसिस, हृदय की बीमारी, ट्यूमर, चेपक, प्लूराइसी, डिफ्थीरिया, लेप्रसी, किडनी-बीमारी।
25	1-11-1987 को और उस तारीख से कोई अधिकारी, आधिकारिक रूप से बैंक द्वारा आवास सुविधा पाने के लिए पात्र नहीं होगा। लेकिन यह बैंक का अधिकार है कि वह अधिकारी द्वारा उसके वेतनमान के प्रथम चरण के वेतन का 6% या आवास का मानक किराया, जो भी कम है, अदा किए जाने पर आवास सुविधा प्रदान कर सकता है। जहाँ ऐसे आवास के लिए फर्नीचर प्रदान किए जाते हैं तो अधिकारी से उसके वेतनमान के प्रथम चरण वेतन के 1.5 प्रतिशत अतिरिक्त रकम बैंक द्वारा वसूल किया जाएगा। आगे, बैंक द्वारा आवास सुविधा प्रदान किए जाने पर विद्युत, पानी, गैस और सफाई व्यवस्था व्यय अधिकारी को वहन करना है।
34(1)	1-1-1989 को और उस तारीख से अधिकारी हर पूर्ण वर्ष के लिए 30 दिनों की बीमारी-छुट्टी के लिए, पात्र है, बशर्ते कि संपूर्ण सेवाकाल के लिए अधिकतम 18 महीनों की हों। ऐसी छुट्टी का संचयन, सम्पूर्ण सेवाकाल के दौरान 540 दिनों तक किया जा सकता है और केवल बैंक द्वारा स्वीकार्य चिकित्सक या बैंक द्वारा अपने विवेकाधिकार के अंतर्गत अपने ही व्यय पर नामित चिकित्सक के प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर ऐसी छुट्टी उपलब्ध की जा सकती है।
35	1-1-1989 को और उस तारीख से, अधिकारी 24 वर्षों से सेवारत है तो, वह

विनियम सं०

संशोधित विनियम

(1)

(2)

अतिरिक्त बीमारी-छुट्टी के लिए पात्र होगा जो 24 वर्षों के बाद हर वर्ष के लिए एक महीने की दर पर होगी बशर्ते कि कुल अतिरिक्त बीमारी-छुट्टी अधिकतम तीन महीने की हो।

के व्यय की प्रतिपूर्ति निम्नलिखित सीमा तक की जाएगी :—

वर्तमान जहाँ उसका परिवार है जहाँ उसका परिवार

41

1-7-1989 को और उस तारीख से, अधिकारी द्वारा कार्य पर यात्रा करने की आवश्यकता होने पर, निम्नवत् प्रावधान लागू होंगे —

रु० 2,100/-प्र० मा० से 3000 कि० 1000 कि० मा०

रु० 3000/-प्र० मा० तक

(i) कनिष्ठ प्रबंध श्रेणी का अधिकारी प्रथम श्रेणी की या वातानुकूलित रेल गाड़ी से यात्रा कर सकता है। लेकिन, कारोबार की अत्यावश्यकताओं या जनहित के कारण सक्षम प्राधिकारी की अनुमति है तो, वह विमान (मितव्यय श्रेणी) से यात्रा कर सकता है।

रु० 3001/-प्र० संपूर्ण डिब्बा 2000 कि० मा० और 2000 कि० मा० से अधिक

(ii) मध्य प्रबंध श्रेणी का अधिकारी प्रथम श्रेणी की या वातानुकूलित रेल गाड़ी से यात्रा कर सकता है। लेकिन, यदि यात्रा की दूरी 500 कि० मी० से अधिक है तो विमान (मितव्यय श्रेणी) से यात्रा कर सकता है। यदि कारोबार अत्यावश्यकताओं या जनहित के कारण सक्षम प्राधिकारी की अनुमति है, तो, कम दूरी की यात्रा के लिए भी विमान (मितव्यय श्रेणी) से यात्रा कर सकता है।

45(2)

भविष्य निधि नियमों के अनुसार, बैंक भविष्य निधि में समय समय पर अंशदान देगा, लेकिन, उक्त अंशदान की रकम 1-11-87 को और उस तारीख से 31-12-1988 तक अधिकारी के वेतन के 80 प्रतिशत का 10 प्रतिशत हो, 1-1-1989 को और उस तारीख से वेतन के 90 प्रतिशत का 10 प्रतिशत तथा 1-1-1990 को और उस तारीख से वेतन का 10 प्रतिशत हो।

64(2)

अधिकारी को, हर पूर्ण सेवा वर्ष के लिए एक महीने के वेतन की दर पर उत्पादन रकम देय होगी बशर्ते कि अधिकतम 15 महीनों के वेतन के बराबर हो।

(iii) बरिष्ठ प्रबंध या उच्च कार्यपालक श्रेणी का अधिकारी वातानुकूलित प्रथम श्रेणी की रेलगाड़ी या विमान (मितव्यय श्रेणी) से यात्रा कर सकता है।

जहाँ, अधिकारी 30 से अधिक वर्षों की सेवा पूर्ण करता है तो, उसे 30 वर्षों के बाद हर पूर्ण सेवा वर्ष के लिए अर्ध महीने के वेतन की दर पर अतिरिक्त रकम का उपदान देय होगा।

(iv) यात्रा स्थानों के लिए विमान या रेलगाड़ी सुविधा न होने पर बरिष्ठ प्रबंध या उच्च कार्यपालक श्रेणी का अधिकारी कार से यात्रा कर सकता है बशर्ते कि दूरी 500 कि० मी० से अधिक न हो लेकिन जहाँ यात्रा स्थानों के अधिक भाग में विमान या रेलगाड़ी की सुविधा है, केवल बाकी दूरी के लिए सामान्यतया कार से यात्रा की जा सकती है।

नोट : यदि पूर्ण वर्ष के बाद कुछ महीनों के लिए सेवारत हो जो छः या उससे अधिक हों तों, उस अवधि के लिए उसे अनुपातिक दर पर उपदान देय होगा

के० सी० दे
महा प्रबंधक (का०से०)

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

नई दिल्ली, दिनांक 23 मई, 1990

42(2)

1-11-1987 को और उस तारीख से अधिकारी को, उसका स्थानांतरण होने पर, माल गाड़ी द्वारा अपने सामान के परिवहन

सं० बी-33(13)-15/85-स्था०-4—कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के विनियम-10 के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34)

की द्वारा 25 के अनुसरण में तथा निगम की अधिसूचना संख्या बी-33(13)/15/82-स्था० 4 दिनांक 13-7-1983 तथा दिनांक 28-3-1984 के संशोधन का अतिक्रमण करते हुए कर्मचारी राज्य बीमा निगम के अध्यक्ष इसके द्वारा तमिल नाडु के लिए क्षेत्रीय बोर्ड का पुनर्गठन करते हैं जिसमें निम्नलिखित सदस्य होंगे, अर्थातः—

1. सूचना तथा श्रम मन्त्री, अध्यक्ष
तमिलनाडु सरकार।
2. लोक स्वास्थ्य मंत्री, उपाध्यक्ष
तमिलनाडु सरकार।
3. सचिव, राज्य सरकार के प्रति-
तमिलनाडु सरकार, निधि सदस्य,
स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण विभाग, मद्रास।
4. अपर निदेशक, राज्य में क० रा० बी०
चिकित्सा सेवाएं तथा योजना के सीधे प्रभारी
परिवार कल्याण, क० रा० बी० अधिकारी-पदेन-सदस्य।
बोजना, तमिल नाडु मद्रास।
5. छप चिकित्सा आमुक्त, पदेन सदस्य,
कर्मचारी राज्य बीमा निगम, दक्षिणी जोन,
बंगलौर।
6. सचिव, राज्य में निवासी
तमिल नाडु सरकार, क० रा० बी० निगम
श्रम तथा रोजगार, विभाग, के सदस्य-पदेन सदस्य,
मद्रास
7. श्री एस० बाबुवन, नियोजकों के प्रतिनिधि
विधि अधिकारी,
दी साउथ इन्डिया मिल ओनर्स,
एम्प्लोयर्स, पोस्ट बॉक्स नं० 3783
रेल कोर्स,
कोयम्बटूर-64018।
8. श्री एन० कानन, नियोजकों के अतिरिक्त
सचिव, प्रतिनिधि
बी एम्प्लायर्स फेडरेशन आफ
साउथ इन्डिया,
मद्रास-600018
9. श्री एम० एम० राव, नियोजकों के अतिरिक्त
संयोजक, प्रतिनिधि
इन्डस्ट्रीयल रिलेसन्स कमेटी,
तमिलनाडु कनफेडरेशन आफ
इंजीनियरिंग इन्डस्ट्री,
मद्रास-600006।

10. श्री आर० विश्वनाथन, नियोजकों के अतिरिक्त
उपाध्यक्ष, प्रतिनिधि
आल इन्डिया मैन्युफैक्चरर्स
और्गेनाइजेशन, मद्रास।
11. श्री सी० कुप्पुसामी, कर्मचारियों के प्रतिनिधि
अध्यक्ष,
लेबर प्रोग्रेसिव फेडरेशन,
नं० 36, अजूदी खान बहादुर स्ट्रीट,
ट्रिप्लीकेन मद्रास-600005।
12. श्री जी० कलन, कर्मचारियों के अतिरिक्त
सहायक सचिव, प्रतिनिधि
तमिल नाडु शाखा
इन्डियन नेशनल ट्रेड यूनियन,
कांग्रेस, इन्डक बिल्डिंग,
एम० टी० एच० रोड,
सिदकोएस्टेट,
मद्रास।
13. श्री एस० चन्द्र शेखरन, —बड़ी—
सदस्य, स्टेट कमेटी,
सेन्टर आफ इन्डियन ट्रेड यूनियन,
नं० 13 मौसक्यू स्ट्रीट चेपोक,
मद्रास-600005।
14. के एस० काशी विश्वनाथन, —बड़ी—
जनरल सेक्रेटरी,
आल इन्डिया ट्रेड यूनियन,
कांग्रेस, नं० 36/1,
कुत्रालन रोड,
लालुकापुरम,
तिरुनेलवेली, 627008
15. क्षेत्रीय निदेशक, सदस्य-सचिव
कर्मचारी राज्य बीमा निगम
मद्रास—(तमिलनाडु)

श्रीमती कुसुम प्रसाद,
महा निदेशक।

नई दिल्ली, दिनांक 23 अप्रैल, 1990

सं० यू-16/53/90-चि० 2—तमिलनाडु : कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के विनियम/105 के तहत महानिदेशक की निगम की शक्तियां प्रदान करने के संबंध में कर्मचारी राज्य बीमा निगम की दिनांक 25-4-1951 को हुई बैठक में पास किए गए संकल्प के अनुसरण में तथा महानिदेशक के आदेश संख्या: 1024 जी दिनांक: 23 मई, 1983 द्वारा वे शक्तियां आगे मुझे सौंपी जाने पर मैं इसके द्वारा डा० टी० मोहम्मद गोस्से 143, सट्टरलींग रोड, मद्रास-34 को तमिलनाडु में मद्रास केन्द्र के लिए बीमाकृत व्यक्तियों की स्वास्थ्य परीक्षा करने तथा मूल प्रमाण पत्र की सत्यता संप्रति होने पर आगे प्रमाण पत्र जारी करने के प्रयोजन के लिए 1-4-90 से

31-3-91 तक या किसी पूर्णकालिक चिकित्सा निदेशी के कार्यभार ग्रहण करने तक इनमें से जो भी हल हो, मांजूदा-
गर्तों पर मानकों के अनुसार मासिक पारिश्रमिक की अदादगी पर
चिकित्सा अधिकारों के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत
करना है।

डा० कृष्ण मोहन संवसेना
चिकित्सा आयुक्त

संचार मंत्रालय

डाक विभाग

नई दिल्ली-110 001, दिनांक 15 मई 1990

मं० 25-12/88-एल आई-विभाग की अभिरक्षा में
गुम हुई निम्नलिखित डाक जीवन बीमा पालिसियों के बारे में
एतद्वारा सूचना दी जाती है कि उनका भुगतान रोक दिया गया
है : निदेशक, डाक जीवन बीमा, कलकत्ता को बीमाकर्ताओं के नाम
बुहरी पालिसियां जारी करने के लिए प्राधिकृत कर दिया गया है।
सर्वसाधारण को चेतावनी दी जाती है कि वे मूल पालिसियों के
बारे में लेन-देन न करें।

क्र०	पालिसी संख्या	दिनांक	बीमाकर्ताओं का नाम	राशि (रुपए)
मं०				
1.	357522-पी	30-9-78	श्रीमती मंसादेवी	5,000/-
	ई०ए/45			

दिनांक 18 मई 1990

मं० 25-390-एल आई-विभाग की अभिरक्षा में गुम
हुई निम्नलिखित डाक जीवन बीमा पालिसियों के बारे में एत-
द्वारा सूचना दी जाती है कि भुगतान रोक दिया गया
है निदेशक, डाक जीवन बीमा, कलकत्ता को बीमाकर्ताओं के नाम
बुहरी पालिसियां जारी करने के लिए प्राधिकृत कर दिया गया है।
सर्वसाधारण को चेतावनी दी जाती है कि वे मूल पालिसियों के
बारे में लेन-देन न करें।

क्र०	पालिसी संख्या	दिनांक	बीमाकर्ताओं का नाम	राशि (रुपए)
मं०				
1.	194503-पी	3-5-75	श्री के० राजगोपालन	5,000/-
	ई०ए०			

पी० गोपीनाथ
निदेशक (पी० एल० आई०)

केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त का कार्यालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 21 मई 1990

सं० पी-IV/1(2)87/आर० आर०-कर्मचारी भविष्य
निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का
19) की धारा 5-घ की उपधारा (7क) के द्वारा प्रवृत्त शक्तियों
का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय बोर्ड, कर्मचारी भविष्य निधि
संगठन के अन्तर्गत वरिष्ठ लेखाकार के पद से संबंधित भर्ती
पद्धति को विनियमित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाए
हैं, अर्थात् :—

1. लघु नाम और आरम्भ :—

- (1) ये नियम कर्मचारी भविष्य निधि संगठन वरिष्ठ
लेखाकार भर्ती नियम, 1990 कहलायेंगे।
- (2) ये नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तिथि
से लागू होंगे।

2. लागूहोना :—

ये नियम इन नियमों के साथ संलग्न अनुसूची के कालम 1 में
उल्लिखित पदों के लिए लागू होंगे।

3. पदों की संख्या वर्गीकरण और वेतनमान :—पदों की संख्या,
उनका वर्गीकरण और उसके साथ संलग्न वेतनमान
विनियमों की उक्त अनुसूची के कालम 2 में 4 के अनुसार होंगे।

4. भर्ती की रीति, आयु सीमा और अन्य योग्यताएं आदि :—
भर्ती की रीति, आयु सीमा, योग्यतायें और उससे संबंधित अन्य
सामग्रे उक्त अनुसूची के कालम 5 में 14 में उल्लिखित
रीति के अनुसार होंगे।

5. अनर्हता :—वह व्यक्ति,

- (क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी
पहली पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या
- (ख) जिसने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए
किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

2. बशर्ते कि केन्द्रीय बोर्ड या बोर्ड द्वारा प्राधिकृत केन्द्रीय
भविष्य निधि आयुक्त यदि इस बात से सन्तुष्ट है कि ऐसा विवाह ऐसे
व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीयविधि के अर्धान
अनुश्रेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार है तो वह किसी
व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगा।

6. शिथिल करने की शक्ति :—जहां केन्द्रीय बोर्ड की यह
राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां उसके लिए
जो कारण है, उन्हें लेखबद्ध करके इन नियमों के किसी उपबन्ध
को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की वाबत, आदेश द्वारा
शिथिल कर सकेगा।

7. अपवाद :—इस संबंध में केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-
समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार यह नियम अनुसूचित
जातियों, अनुसूचित जनजातियों भूतपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष
वर्गों के व्यक्तियों को दिए जाने वाले आरक्षणों और अन्य रियायतों
को प्रभावित नहीं करेंगे।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	क्या प्रवरण पद है या भ्रष्टकरण	क्या केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियमावली, 1972 के नियम 30 के अन्तर्गत बहाल हुए पदों की सेवा का लाभ स्वीकार्य है	सीधी भर्ती के लिए आयु सीमा	सीधी भर्ती के लिए शिक्षा संबंधी और अन्य अपेक्षित योग्यताएँ
-----------	----------------	----------	---------	--------------------------------	---	----------------------------	--

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
वरिष्ठ	* 1 (1989)	ग्रुप "ब" अभिलिखीय	1400-40- 1800-50-रो- 50-2300	लागू नहीं है	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

* कार्यभार के आधार पर परिवर्तनीय।

क्या सीधी भर्ती के लिए निर्धारित आयु और शिक्षा संबंधी योग्यतायें प्रयोज्य होने वाली 5 मामलों में लागू होगी	परिवीक्षा की अवधि यदि कोई है।	भर्ती की रीति क्या सीधी भर्ती द्वारा या पदोन्नति द्वारा प्रतिनियुक्ति/नवावले द्वारा और विभिन्न स्थितियों में भर्ती करने वाली स्थितियों की प्रसिद्धता	भर्ती के मामले में पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किसी ग्रेड से पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाना है	यदि विभागीय पदोन्नति समिति है तो उसका गठन किस प्रकार होगा	भर्ती करने में संबंधित लोक सेवा आयोग के निर्णयों के परिस्थितियों के परामर्श करना है
--	-------------------------------	--	---	---	---

(9)	(10)	(11)	(12)	(13)	(14)
लागू नहीं	लागू नहीं	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा 1(1) केन्द्रीय सरकार के विभाग/कार्यालय में अपर श्रेणी लिपिक के ग्रेड में 5 वर्ष की सेवा तथा सिविल लेखों के रख-रखाव का अनुभव। (2) उपर्युक्त (1) के न होने पर संगठित लेखा विभागों में अपर श्रेणी लिपिक के ग्रेड में 5 वर्ष की सेवा तथा सिविल लेखों के रख-रखाव का अनुभव। (केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग से संबंधित लेखों के रख-रखाव का अनुभव जिन कर्मचारियों का बरियता दी जायेगी) (इसी संगठन या केन्द्रीय सरकार के किसी अन्य संगठन/विभाग में प्रतिनियुक्ति/ठिके की अवधि इस नियुक्ति में एकदम पहले किसी अन्य संगठन बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति/ठिके की अवधि मिलाकर साधारणतः 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी।	लागू नहीं	लागू नहीं

सं. 2/1959/जी. एन. आई./एकबाम/89/भाग-I/3123—जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपग्रह अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयोग, इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अलग जीवन या प्रीमियम की अदायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ

उठा रहे हैं, जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहवृत्त बीमा स्कीम 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है। (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप धारा 2(क) द्वारा प्रयुक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा अम मंत्रालय भारत सरकार की अधिसूचना संख्या तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गयी है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची में निर्धारित शर्तों के अधीन हूँ मैं, बी. एन. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों की संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना की और 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करता हूँ, जैसा कि उनके नाम के सामने दर्शाया गया है।

अनुसूची-1

क्षेत्र: कोयम्बटूर

क्रम सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड संख्या	स्थापना की छूट बढ़ाने के लिए भारत सरकार के अधिसूचना की संख्या तथा तिथि	पहले से प्रदान की गई छूट की समाप्ति की तिथि	अवधि जिसके लिए और छूट दी गई है	कं० भ० नि० आ० फाइल नं०
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(8)
1.	मैसर्स गांधी आश्रम, पी० ओ० सलिम डिस्ट्रिक्ट, पिन कोड नं० 637201, तमिलनाडु	टी०एन०/ 10177	एस-35014(113) 83-पी०एफ० II दिनांक 6-5-83	5-5-86	6-5-86 से 5-5-89 6-5-89 से 5-5-92	2/890/83- डी०एल० आई०
2.	मैसर्स लक्ष्मी आटोमेटिक लूम वर्क्स लि०, हयुर इण्डस्ट्रीयल कमप्लेक्स, हसुर-635126।	टी०एन०/ 11479	एस-35014(303) 83-पी०एफ० II एस०एस० II दिनांक 3-12-86	27-1-90	28-1-90 से 27-1-93	2/971/83- डी०एल० आई०
3.	मैसर्स दि एसोसिएटेड सीमेन्ट कम्पनी लि०, मडुक्करै, सीमेन्ट वर्क्स, कोयम्बटूर-641105।	टी०एन०/ 83	एस-35014(228) 82-पी०एफ० II (एस०एस० II) दिनांक 28-6-85	26-11-88	27-11-88 से 26-11-91	2/658/82- डी०एल० आई०
4.	मैसर्स दि टुडियालुर को-आपरेटिव एग्रीकल्चरल सर्विसेस लि०, टुडियालुर पी०ओ० कोयम्बटूर-641034।	टी०एन०/ 6326	एस-35014(169) 85-एस० एस० II दिनांक 28-6-85	27-6-88	28-6-88 से 27-6-91	बाल्युम नं० 11 2/1250/85- डी०एल०आई०

अनुसूची-11

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को एंसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एंसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, एंसे निरीक्षण प्रभागों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रचालन में जिसके अन्तर्गत लेखाशा का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभाग का संदाय आदि भी है, हानि वान सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा दिया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु संख्या की भाषा में उसकी सुरुष वार्ता का अनुवाद स्थापना के मूख्य पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना का भविष्य निधि का पहले में ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत् करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों का उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों का उपलब्ध लाभों में समचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जा उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञ है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संवेद्य राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संवेद्य होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिवक वारिध/नाम निर्वाहियों व प्रतिवर के रूप में दोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धन में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्ण अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन में कर्मचारियों

के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का अधिकृत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम को, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति में कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तरीके को, मोटर या भारतीय जीवन बीमा निगम नियत कर, प्रीमियम का उदाहरण करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिगत दंड के बाद में उन मत सदस्यों के नाम निर्विशेषता या विधिक शर्तों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्विशेषता/विधिक शर्तों की वीमाकृत राशि का संदाय तत्पश्चात् से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से वीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर गृहीत करेगा।

सं. 2/1959/डी. एन. आर्. /एकजाम./89/भाग-1
3।19—जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजताओं ने (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा को उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की जवाबगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसमें इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा-17 की उपधारा-2(क) इसका प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मैं, बी. एन. सोमसोम, प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त तमिलनाडु ने स्कीम की धारा 28(7) के अन्तर्गत दीर्घ प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम में सम्मिलन को छूट देना है।

अनुसूची—1

क्षेत्र: तिरुचिरापल्ली

क्र० सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड संख्या	छूट की प्रभावी तिथि	के० सं० नि० आ० फा० न०
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	मैसर्स नागम्माई कॉटन मिल्स प्रा० लि०, अलागप्पा नगर, विरुवन्डी-605852, साऊथ एक्स्कोर्ट डिस्ट्रिक्ट।	टी०एन०/2952	1-4-1988	2/2064/89- टी०एन०आई०
2.	मैसर्स श्री विदम्बा चिन्ताम मोटर मविमय, न० 2, बिन्डीगुल रोड, तिरुचिरापल्ली-8	टी०एन०/3643	1-3-1989	2/2685/90- टी०एन०आई०
3.	मैसर्स श्री कृष्णा ट्रांसपोर्ट्स राजन रोड, अलारमेलु-मंगलपुरम; थन्जावर	टी०एन०/3643-ए	1-3-1989	2/2688/90-डी० एल०आई०
4.	मैसर्स पुडुकोट्टाई सन्दूल फो-आप० बैंक लि०, पुडुकोट्टाई-622001 तथा हेड आफिस पुडुकोट्टाई मण्ड 18 शाखायें, पुडुकोट्टाई डिस्ट्रिक्ट पर हैं	टी०एन०/4178	1-2-1988	2/2684/90- टी०एन०आई०
5.	मैसर्स इन्डो-फायर, न० डी-31 तथा 32, डेवलपेड फ्लैट्स इण्डस्ट्रीयल एस्टेट, थुकुडी जिल्ला-620015	टी०एन०/10471 टी०एन०/10471-ए	1-9-1987	2/2686/90- टी०एन०आई०
6.	मैसर्स अग्नितार अन्ना शुगर मिल्स कुरुगनमा-613303 थन्जावर डिस्ट्रिक्ट	टी०एन०/10999	1-4-1988	2/2689/90- टी०एन०आई०
7.	मैसर्स एस०आर०एफ० इण्डस्ट्रीयल फायब्रिकन 4-प्रोमोनादे रोड, तिरुची-620001। इसके साथ इसकी शाखायें मद्रास, चम्पूर, कलकत्ता तथा दिल्ली में स्थित हैं।	टी०एन०/19576	1-1-1987	2/2690/90- टी०एन०आई०

अनुसूची—II

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसे लेखा रहेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक राशि को समाप्त के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के अन्वय में के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभार का संवाय बाँट भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहुत निबिध्यक द्वारा दिया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, सब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुत संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना बट्ट पर प्रकाशित करेगा।

5. यदि कब-कब ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उक्त स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत् करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों का उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किये जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों में अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुसूचित हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संवत् राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी की उस वृद्धि में संवत् होती-जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्दिष्टों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के अंतर दरावर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन की बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन में कर्मचारियों के हित पर प्रतिनयन प्रभाव पड़ेगी की संभावना हो, जहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना विचार-विमर्श प्राप्त करने का अधिकार प्रदान करेगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम को, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है, अधीन नहीं रहे जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों के अंतर्गत होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संवाय करने में असफल रहता है और पाँचवीं को व्यवगत हो जाने बिना जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किये गये किसी व्यक्तिगत की वृद्धि में उक्त मृत सदस्यों के नाम निर्दिष्टों या विधिक वारिसों का जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संवाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन होने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्दार नाम निर्दिष्टों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि का संवाय तत्परा से और प्रत्येक वृद्धि में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर निर्दिष्ट करेगा।

दिनांक 22 मई 1990

सं० पी० IV/1(6)/89—कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 5(घ) की उपधारा 7(क) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय न्यायी बोर्ड, एतद्वारा कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, हिन्दी अनुवादक (ग्रेड-II) अर्थात् नियम, 1983 में और संशोधन करके निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात्—

1. (1) ये नियम कर्मचारी भविष्य निधि संगठन हिन्दी अनुवादक (ग्रेड-II) (संशोधन) अर्थात् नियम, 1990 कहलाएंगे।

(2) यह नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तिथि से लागू होंगे।

2. कर्मचारी अधिसूचना में विधित करने की शक्ति में संबंधित पैरा 8 को निम्न प्रकार में प्रतिस्थापित किया जाएगा।

“6. विधित करने की शक्ति—जहाँ केन्द्रीय बोर्ड की यह शक्ति हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वह उसके कारणों को लिखित रूप में मेखबंद करके इन नियमों की किसी भी उपबन्ध का किसी वृद्धि या प्रवर्धन के अन्तर्गत की शक्ति, आदेश द्वारा विधित कर सकेगा।”

सं० पी० IV/1(6)/89—कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 5(घ) की उपधारा 7(क) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय न्यायी बोर्ड एतद्वारा कर्म-

कारी भविष्य निधि संगठन (आवृत्तिगत) भर्ती नियम, 1986 में और संशोधन करके निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात् :—

1. (1) ये नियम कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (आवृत्तिगत) संशोधन भर्ती नियम, 1990 कहलाएंगे।

(2) यह नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशन होने की तिथि से लागू होंगे।

2. कवरिंग अधिसूचना में शिथिल करने की शक्ति से संबंधित पैरा 5 को निम्न प्रकार से प्रतिस्थापित किया जाएगा :—

“5 शिथिल करने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय बोर्ड की यह राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वह उसके कारण का लिखित रूप से अभिलेखबद्ध करके इन नियमों के किसी भी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगा।”

सं. पी-IV/1(6)/89—कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 5(ब) की उपधारा 7(क) के द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय न्यासी बोर्ड, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन कनिष्ठ पुस्तकालयाध्यक्ष और लाइब्रेरी परिषद भर्ती नियम, 1985 में और संशोधन करके निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात् :—

1. (1) ये नियम कर्मचारी भविष्य निधि संगठन कनिष्ठ पुस्तकालयाध्यक्ष और लाइब्रेरी परिषद (संशोधन) भर्ती नियम, 1990 कहलाएंगे।

(2) यह नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशन होने की तिथि से लागू होंगे।

2. कवरिंग अधिसूचना में शिथिल करने की शक्ति से संबंधित पैरा 5 को निम्न प्रकार से प्रतिस्थापित किया जाएगा :

“5 शिथिल करने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय बोर्ड की यह राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वह उसके कारण का लिखित रूप से अभिलेखबद्ध करके इन नियमों के किसी भी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगा।”

सं. पी-IV/1(6)/89—कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 5-ब की उपधारा 7(क) के द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय न्यासी बोर्ड एतद्वारा कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, बिजली वाला (वायर मैन) भर्ती विनियम, 1986 में और संशोधन करके निम्नलिखित नियम बनाता है अर्थात् :—

1. (1) ये विनियम कर्मचारी भविष्य निधि संगठन बिजलीवाला (वायरमैन) (संशोधन) भर्ती विनियम, 1990 कहलाएंगे।

(2) यह विनियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशन होने की तिथि से लागू होंगे।

2. कवरिंग अधिसूचना में शिथिल करने की शक्ति से संबंधित पैरा 6 को निम्न प्रकार से प्रतिस्थापित किया जाएगा :—

“6 शिथिल करने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय बोर्ड की यह राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वह उसके कारण का लिखित रूप से अभिलेखबद्ध करके इन विनियमों के किसी भी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगा।”

सं. पी-IV/1(8)/89—कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 5(ब) की उपधारा 7(क) के द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय न्यासी बोर्ड एतद्वारा कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, नलसाज एवम् पम्प आपरेटर भर्ती नियम, 1986 में और संशोधन करके निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात् :—

1. (1) ये नियम कर्मचारी भविष्य निधि संगठन नलसाज एवम् पम्प आपरेटर (संशोधन) भर्ती नियम, 1990 कहलाएंगे।

(2) यह नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशन होने की तिथि से प्रभावी होंगे।

2. कवरिंग अधिसूचना में शिथिल करने की शक्ति से संबंधित पैरा 6 को निम्न प्रकार से प्रतिस्थापित किया जाएगा :

“6 शिथिल करने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय बोर्ड की यह राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वह उसके कारण का लिखित रूप से अभिलेखबद्ध करके इन नियमों के किसी भी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगा।”

सं. पी-IV/1(6)/89—कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 5-ब की उपधारा 7(क) के द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय न्यासी बोर्ड एतद्वारा कर्मचारी भविष्य निधि संगठन स्टाफ कार ड्राइवर/जीप ड्राइवर और डिप्टी राइडर/स्कूटर ड्राइवर भर्ती विनियम, 1986 में और संशोधन करके निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात् :

1. (1) ये विनियम कर्मचारी भविष्य निधि संगठन स्टाफ कार ड्राइवर/जीप ड्राइवर और डिप्टी राइडर/स्कूटर ड्राइवर (संशोधन) भर्ती विनियम, 1990 कहलाएंगे।

(2) यह विनियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से लागू होंगे।

2. कवरिंग अधिसूचना में शिथिल करने की शक्ति से संबंधित पैरा 6 को निम्न प्रकार से प्रतिस्थापित किया जाएगा :—

“6 शिथिल करने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय बोर्ड की यह राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वह उसके कारण का लिखित रूप से अभिलेखबद्ध करके इन विनियमों के किसी भी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगा।”

सं० पी० IV/1(6)/89--कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 5-घ की उपधारा 7(क) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय न्यासी बोर्ड एतद्वारा कर्मचारी भविष्य निधि संगठन बाइंडर भर्ती विनियम, 1988 में और संशोधन करके निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात् :—

1. (1) ये विनियम कर्मचारी भविष्य निधि संगठन बाइंडर (संशोधन) भर्ती विनियम, 1990 कहलाएंगे।

(2) यह विनियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशन होने की तिथि से लागू होंगे।

2. कवरिंग अधिसूचना में शिथिल करने की शक्ति से संबंधित पैरा 5 को निम्न प्रकार से प्रतिस्थापित किया जाएगा :

“5 शिथिल करने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय बोर्ड की यह राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वह उसके कारण का लिखित रूप से अभिलेखबद्ध करके इन विनियमों के किसी भी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगा।”

सं० पी० IV/1(6)/89--कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 5-घ की उपधारा 7(क) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय न्यासी बोर्ड एतद्वारा कर्मचारी भविष्य निधि संगठन लिफ्ट ऑपरेटर, भर्ती नियम, 1986 में और संशोधन करके निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात् :—

1. (1) ये विनियम कर्मचारी भविष्य निधि संगठन लिफ्ट ऑपरेटर (संशोधन) भर्ती नियम, 1990 कहलाएंगे।

(2) यह विनियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशन होने की तिथि से लागू होंगे।

2. कवरिंग अधिसूचना में शिथिल करने की शक्ति से संबंधित पैरा 5 को निम्न प्रकार से प्रतिस्थापित किया जाएगा :—

“5 शिथिल करने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय बोर्ड की यह राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वह उसके कारण का लिखित रूप से अभिलेखबद्ध करके इन नियमों के किसी भी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगा।”

सं० पी० IV/1(6)/89--कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 5-घ की उपधारा 7(क) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय न्यासी बोर्ड एतद्वारा कर्मचारी भविष्य निधि संगठन माछिकी सहायक भर्ती नियम, 1986 में और संशोधन करके निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात् :—

1. (1) ये नियम कर्मचारी भविष्य निधि संगठन माछिकी सहायक (संशोधन) भर्ती विनियम, 1990 कहलाएंगे।

(2) यह नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशन होने की तिथि से लागू होंगे।

2. कवरिंग अधिसूचना में शिथिल करने की शक्ति से संबंधित पैरा 5 को निम्न प्रकार से प्रतिस्थापित किया जाएगा :

“5 शिथिल करने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय बोर्ड की यह राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वह उसके कारण का लिखित रूप से अभिलेखबद्ध करके इन नियमों के किसी भी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगा।”

सं० IV/1(6)/89--कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 5-घ की उपधारा 7(क) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय न्यासी बोर्ड एतद्वारा कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, सतर्कता सहायक भर्ती विनियम, 1986 में और संशोधन करके निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात् :—

1. (1) ये विनियम कर्मचारी भविष्य निधि संगठन सतर्कता सहायक (संशोधन) भर्ती विनियम, 1990 कहलाएंगे।

(2) यह विनियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशन होने की तिथि से लागू होंगे।

2. कवरिंग अधिसूचना में शिथिल करने की शक्ति से संबंधित पैरा 5 को निम्न प्रकार से प्रतिस्थापित किया जाएगा :

“5 शिथिल करने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय बोर्ड की यह राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वह उसके कारण का लिखित रूप से अभिलेखबद्ध करके

इन विनियमों के किसी भी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगा।”

सं० पी-1(6)89 --कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 5(घ) की उपधारा 7(क) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय न्यासी बोर्ड, एतद्द्वारा कर्मचारी भविष्य निधि संगठन बावर्ची एवं गेस्ट हाऊस परिशर अटैन्डेन्ट भर्ती नियम, 1986 में और संशोधन करके निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात्:--

1. (1) ये नियम कर्मचारी भविष्य निधि संगठन बावर्ची एवं गेस्ट हाऊस परिशर अटैन्डेन्ट (संशोधन) भर्ती, नियम 1990 कहलाएंगे।

(2) यह नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशन होने की तिथि से लागू होंगे।

2. क्वैरिंग अधिसूचना में शिथिल करने की शक्ति से संबंधित पैरा 5 को निम्न प्रकार से प्रतिस्थापित किया जाएगा ;

“5 शिथिल करने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय बोर्ड की यह राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वह उसके कारण का लिखितरूप से अभिलेखबद्ध करके इन नियमों के किसी भी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगा।

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जाम/89/भाग-1—जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है, (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूँकि मैं, बी.एन.सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदागरी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसमें इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ मेलन अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मैं, बी. एन. सोम, प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त कोयम्बटूर ने स्कीम की धारा 18(7) के अन्तर्गत ढील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम से संभालन की छूट देता हूँ।

अनुसूची— I

क्षेत्र समिलनाडु

क्रम सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड संख्या	छूट की प्रभावी तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	मैसर्स कालेश्वर मिल्स, ए, यूनिट, 10/8, अन्नपुरपलायम, पी० ओ० बाक्स नं० 2427, कोयम्बटूर-641069	टी० एन०/52]]	1-12-1986
2.	मैसर्स कोयम्बटूर मूरुगन मिल्स, मिटठूपलायम रोड, पी० ओ० बाक्स नं० 7004, कोयम्बटूर-641043	टी० एन०/58	1-12-1986
3.	मैसर्स ओम प्रकाशक्ति मिल्स, पी० ओ० बाक्स, नं० 2019, गनपाथी पोस्ट—कोयम्बटूर-641006	टी० एन०/1163	1-12-1986
4.	मैसर्स दी इण्डिया सीमेंट्स लिमिटेड, संकरी वैस्ट (पोस्ट) सलेम-637 303	टी० एन०/4648 तथा टी० एन०/4648 ए	1-6-1987

अनुसूची-1।

भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभागों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खंड-क के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण निरीक्षण प्रभाग का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा दिया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिश/नाम निर्वाहियों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अंतर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम में, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह खर्च की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट खर्च की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्वाहियों या विधिक वारिशों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्काार नाम निर्वाहियों/विधिक वारिशों को बीमाकृत राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

सं. 2/1959/जी. एल. आइ. 4/एचएम/89/भाग-1/3135—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजकों ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबन्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है। (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके माध्यम से अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मैं, बी. एन. सोम, प्रत्येक उक्त स्थापना के प्रत्येक के मामले में उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त आन्ध्र प्रदेश ने स्कीम की धारा 28 (7) के अंतर्गत ठीक प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम में संचालन की छूट देता हूं।

अनुसूची—I

क्षेत्र : आन्ध्र प्रदेश

क्रम सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड संख्या	छूट की प्रभावी तिथि	के० भविष्य नि० प्रायुक्त फाइल सं०
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	मैसर्स इण्डिया लीफ स्प्रेडिंग मैनुफैक्चरिंग क० (प्रा०) लि०, 61-ए, महात्मा गांधी रोड, सिकन्दाबाद-3 ।	ए० पी०/2207	1-3-1987	2/2693/90-डी० एल० आई०
2.	मैसर्स तिरुमाला तिरुपति देवास्थानम, को-आप० स्टीर लि० नं० यू-344, पी० बी० नं० 21, तिरुपति-517501, जिला, आन्ध्र प्रदेश ।	ए० पी०/2301	1-6-1988	2/2694/90-डी० एल० आई०
3.	मैसर्स कपारकी स्ट्रा बोर्ड्स, नवलक गार्डन्स, नैलोर-524002, आन्ध्र प्रदेश ।	ए० पी०/3281	1-6-1988	2/2696/90-डी० एल० आई०
4.	मैसर्स हैदराबाद रेस फ्लव, मालकपेट, हैदराबाद-500036 ।	ए० पी०/4031	1-12-1988	2/2697/90-डी० एल० आई०
5.	मैसर्स हगलंडज डिविजन, लि०, पटन चैरू-502419, मैडक जिला, आन्ध्र प्रदेश ।	ए० पी०/4239	1-3-1989	2/2698/90-डी० एल० आई०
6.	मैसर्स बोलरहो लि०, पटन चैरू-502319, जिला मैडक, रजिस्टर्ड कार्यालय 115, पार्कले सिकन्दाबाद-500003, आन्ध्र प्रदेश ।	ए० पी०/4292	1-1-1988	2/2699/90-डी० एल० आई०
7.	मैसर्स वेंकटेश्वरा, हृचरोज प्रा० लि०, 4, एच० सुबोधया अपार्टमेंट्स,, 4-1-1233, बागूलकंठा, हैदराबाद-500001. (आई० प्र०)	ए० पी०/7350	1-2-1989	2/2700/90-डी० एल० आई०
8.	मैसर्स वी आन्ध्र प्रदेश महेश को-आप० सर्वेन बैंक लि०, एडम० आफिस, 14-7-30-31 बेगम बाजार, हैदराबाद-500012 ।	ए० पी०/13340	1-3-1989	2/2701/90-डी० एल० आई०
9.	मैसर्स सिरकार पेपर मिल्स लि०, 3/491, लक्ष्मीपुरम, नैलोर-524002, आन्ध्र प्रदेश ।	ए० पी०/16282	1-5-1988	2/2702/90-डी० एल० आई०
10.	मैसर्स स्टीबर्ड्स इक्विटी फण्ड लि०, 5-9-88/2, सफीरे बिल्डिंग, फतेह मैडन हैदराबाद-500001 ।	ए० पी०/17049	1-12-1987	2/2704/90-डी० एल० आई०
11.	मैसर्स लक्ष्मी फाइनेंस एंड इण्डस्ट्रीयल कार्पोरेशन लि०, 1-10-60/3 बैंगमपेट, हैदराबाद-500016, (आन्ध्र प्रदेश) ।	ए० पी०/17791	1-3-1989	2/2705/90-डी० एल० आई०

अनुसूची--II

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्विष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (3-क) के खंड-क के अधीन समय-समय पर निर्विष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा दिया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों को एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसके स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बावत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत् करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं, तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के अन्तर के बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहाँ

क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का मुक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह खूब की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट खूब की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की वशा में उन मृत सदस्यों के नाम-निर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्कार नाम-निर्देशितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक वशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

सं. 2/1959/डी. एल. आर्/एकजाम/89/भाग-I/3154.—जहाँ अनुसूची-I में उल्लिखित नियोजकों ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारियों भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त-स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अवयगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहवृद्धि बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मैं, बी. एन. सोम, प्रत्येक उक्त स्थापना का प्रत्येक के सामने उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त राजस्थान ने स्कीम की धारा 18(7) के अन्तर्गत डीन प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम से संचालन की छूट देता हूँ।

अनुसूची-I

क्षेत्र : राजस्थान

क्र० सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड संख्या	छूट की प्रभावी तिथि	के० अ० नि० आ० फा० न०
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	मैसर्स मारवाड कार्डबोर्ड एंड पेपर मिन्स जोधपुर	आर० जे- 2979	1-12-1988	2/2665/90-डी० एल० आ०ई०
2.	मैसर्स राजस्थान सेंथेटिक्स, हायर सेकेंड्री स्कूल के बगल में पोस्ट बाक्स नं० 36 भिलवाड़ा, (राजस्थान) 311001 ।	आर० जे० 4188	1-12-1988	2/2324/89-डी० एल० आ०
3.	मैसर्स जी० एस० टेक्सटाइल्स प्रा० लि०, आई०-आर० आई० आई० सी० ओ० इण्ड एरिया, बिलीया-भिलवाड़ा ।	आर० जे०/4240	1-1-1989	2/2325/90-डी० एल० आ०
4.	मैसर्स अमरासीव इंडिया, जोधपुर	आर० जे०/4252	1-11-1988	2/2326/89-डी० एल० आ०
5.	मैसर्स एम० आर० मोर फब्रिक्स प्रा० लि०, रजि० आफिस 6 शिवाजी नगर, उदयपुर-313001 ।	आर० जे०/4620	1-9-1988	2/2275/89-डी० एल० आ०
6.	मैसर्स मास्टर कंटेन्डर, बलोतरा	आर० जे०/4306	1-1-1989	2/2667/90-डी० एल० आई०
7.	मैसर्स छाननलाल टेक्सटाइल्स जोधपुर ।	आर० जे०/4565	1-2-1989	2/2668/90-डी० एल० आई०
8.	मैसर्स जोधपुर सहकारी भूमि विकास बैंक लि०, जोधपुर ।	आर० जे०/4607	1-10-1988	2/2327/89-डी० एल० आई०
9.	मैसर्स केमिकल एण्ड मिनरलस इण्डस्ट्रीज प्रा० लि०, जोधपुर ।	आर० जे०/2617	1-3-1989	2/2666/90-डी० एल० आई०
10.	मैसर्स गोवम प्रोसेसरस (प्रा०) लि०, भिलवाड़ा, राजस्थान ।	आर० जे०/4710	1-10-1988	2/2328/89-डी० एल० आई०
11.	मैसर्स राहुल केमिकल्स, गोवम ।	आर० जे०/4749	1-1-1989	2/2670/90-डी० एल० आई०
12.	मैसर्स लिमिटेड पेस्टीसीड्स एण्ड फर्टीलाइजरस (प्रा०) लि०, एफ० 225, मेवाड इण्डस्ट्रीयल एरिया, उदयपुर-313001 ।	आर० जे०/2814	1-12-1988	2/2678/90-डी० एल० आई०

अनुसूची-II

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिस इसमें इसको पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, का ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्विष्ट करें ।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभागों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्विष्ट करें ।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण निरीक्षण प्रभाग का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा ।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है, तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी वास्तव आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संबत करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जाँ उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संबन्ध राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संबन्ध होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता था, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अन्तर के बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्ति-युक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्दार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सन्निविष्ट करेगा।

खास योल छावनी बोर्ड

खास योल, दिनांक 31 मार्च 1990

का० नि० ग्रा० सं० के० वाई०/जी०/8—रक्षा मन्त्रालय की अधिसूचना का नि० आ० सं० 395, तारीख 22 नवम्बर, 1958 में प्रकाशित छावनी अभिलेखों और दस्तावेजों के निरीक्षण का विनियमन करने और उनकी प्रतियां देने के लिए खास योल छावनी उपविधियों में कुछ संशोधन करने के सम्बन्ध में एक लोक सूचना, जैसा छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 284 की उपधारा (1) द्वारा अपेक्षित है छावनी बोर्ड, खास योल सूचना सं० के वाई०/जी०/8, तारीख 5 अप्रैल, 1989 के अधीन प्रकाशित की गई थी। जिसके द्वारा उक्त सूचना के प्रकाशन की तारीख से तीस दिन की अवधि में अवसान तक उन सभी व्यक्तियों आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे, जिनके कि उसके द्वारा प्रभावित होने की संभावना थी; और विनिर्दिष्ट तारीख से पूर्व कोई आक्षेप और सुझाव प्राप्त नहीं हुए थे; अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 60 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, छावनी बोर्ड, खास योल केन्द्रीय सरकार की पूर्व जूरी मंरक्षा मन्त्रालय की अधिसूचना सा० का० नि० सं० 395, तारीख 22 नवम्बर, 1958 में निम्नलिखित संशोधन करता है, अर्थात् :—

उपविधियां

1. (1) इन उपविधियों का संक्षिप्त नाम खास योल छावनी (छावनी अभिलेख) और दस्तावेज के निरीक्षण का विनियमन और प्रतियां देना (संशोधन) उपविधि, 1989 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. खास योल छावनी (छावनी अभिलेख और दस्तावेज के निरीक्षण का विनियमन और प्रतियां देना) उपविधि में, उपविधि 5 के स्थान पर निम्नलिखित उपविधि रखी जाएगी, अर्थात् :—

5. प्रतियों के प्रदाय के लिए निम्नलिखित प्रभार दिए जायेंगे :—

(1) सामान्य प्रभार	अंग्रेजी	देशी भाषा
(क) प्रथम 200 शब्दों या उनके प्रभाग के लिए	5.00 रुपए	1.50 रुपए
(ख) प्रत्येक अतिरिक्त 100 शब्दों या उसके प्रभाग के लिए	1.50 रुपए	0.75 रुपए

(2) नकशों और रेखाओं के लिए, प्रयुक्त अनुरेखन-कागज के प्रति वर्ग फुट या उसके भाग के लिए 5.00 रुपए का प्रभार दिया जाएगा।

परन्तु यह कि यदि कार्यपालक आफिसर का यह विश्वास है कि कार्य की कठिन प्रकृति को ध्यान में रखते हुए कोई विशेष प्रभावी

बी. एन. सोम,

केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

दिया जाना चाहिए तो 50.00 रुपए अधिक का कोई विशेष प्रभार नियत कर सकेगा।

(3) किसी अनुश्रुति, पास, चुंगी-प्रतिवाहन पास, चुंगी मरम्मत पास या अनुक्षापत्र की दूसरी प्रति के प्रदाम के लिए दो रुपए प्रत्येक प्रति लिया जाएगा।

का० नि० आ० सं० के० वाई०/जी/8/8--अस्थायी संरचना की परिनिर्माण करने से संबंधित खास योल छावनी विनियम जो भूतपूर्व रक्षा विभाग, नई दिल्ली की अधिसूचना सं० 165, तारीख 7 नवम्बर, 1942 में प्रकाशित किए गए थे में कतिपय संशोधन करने के बारे में लोक सूचना छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 284 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार छावनी बोर्ड, खास योल की सूचना सं० के० वाई०/जी०/8 तारीख 5 अप्रैल, 1989 के अधीन प्रकाशित की गई थी जिसके द्वारा ऐसे सभी व्यक्तियों में जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना की, उक्त सूचना के प्रकाशन की तारीख से तीस दिन की अवधि की समाप्ति तक आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे :

और विनिर्दिष्ट तारीख से पहले कोई आक्षेप और सुझाव प्राप्त नहीं हुआ है;

अतः अब, छावनी बोर्ड, खास योल उक्त अधिनियम की धारा 60 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार की पूर्ण स्वीकृति भूतपूर्व रक्षा विभाग की अधिसूचना सं० 165, तारीख 7 नवम्बर, 1942 में निम्नलिखित संशोधन करता है, अर्थात् :—

उपविधियां

1. (1) इन उपविधियों का संक्षिप्त नाम परिनिर्माण खास योल छावनी अस्थायी संरचना (संशोधन) उपविधि, 1989 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. अस्थायी संरचना के परिनिर्माण को विनियमित करने के लिए खास योल छावनी उप-विधि में, उप-विधि 2 के स्थान पर निम्नलिखित उपविधि रखी जाएगी, अर्थात् :—

2. कोई व्यक्ति, जो उक्त उपविधि को भंग करता है, मजिस्ट्रेट के समक्ष दोषसिद्धि पर ऐसे जुमनि से दण्डनीय होगा जो दो सौ रुपए तक का हो सकेगा और चालू रहने वाले भंग की दशा में ऐसे अतिरिक्त जुमनि से दण्डनीय होगा जो प्रत्येक ऐसे दिन के लिए, जिसके दौरान ऐसा भंग प्रथम ऐसे भंग के लिए दोषसिद्धि के पश्चात् चालू रहना है, चालीस रुपए तक का हो सकेगा।

का० नि० आ० के० वाई०/जी०/8-10--भारत सरकार के भूतपूर्व रक्षा विभाग की अधिसूचना सं० 163, तारीख 7 नवम्बर, 1942 में प्रकाशित खास योल छावनी बोर्ड कुत्तों के नियंत्रण और रजिस्ट्रीकरण और रेबीज निवारण के लिए उपविधियों का संशोधन करने के लिए कतिपय उपविधियों का एक प्रारूप छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2)

की धारा 284 की अपेक्षानुसार छावनी बोर्ड, खास योल, लोक सूचना सं० के० वाई०/जी० 8 तारीख 22 जून, 1989 अधीन प्रकाशित किया गया था, जिसमें ऐसे भी व्यक्तियों से जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थी, उक्त सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से तीस दिन की अवधि के समाप्त होने तक आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे;

और छावनी बोर्ड की किसी भी व्यक्ति से कोई आक्षेप या सुझाव प्राप्त नहीं हुए,

अतः, अब, छावनी बोर्ड खास योल, उक्त अधिनियम की धारा 282 की उपधारा (30) और उपधारा (31) तथा धारा 283 के साथ पठित, धारा 119 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदन और पुष्टि कर दिए जाने पर भारत सरकार के भूतपूर्व रक्षा विभाग की अधिसूचना सं० 163, तारीख 7 नवम्बर, 1942 में प्रकाशित खास योल छावनी बोर्ड में कुत्तों के नियंत्रण और रजिस्ट्रीकरण और रेबीज निवारण के लिए उपविधि का निम्नलिखित संशोधन करता है, अर्थात् :—

उपविधि

1. (1) इन उपविधियों का नाम कुत्तों के रजिस्ट्रीकरण और नियंत्रण और रेबीज निवारण के लिए खास योल छावनी (संशोधन) उपविधि, 1989 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. उप नियम 6 में "आठ आने" शब्दों के स्थान पर "पांच रुपए" शब्द रखे जायेंगे।

दिनांक 30 अप्रैल 1990

का० नि० आ० सं० के० वाई०/जी०/8-7-जन्म, मृत्यु और विवाह के रजिस्ट्रीकरण को विनियमित करने के लिए खास योल छावनी उपविधियों में, जो भूतपूर्व रक्षा विभाग की अधिसूचना में छावनी विनियम, नई दिल्ली सं० 961 के रूप में तारीख 30 मई, 1942 को प्रकाशित की गई थी कतिपय संशोधनों से संबंधित लोक सूचना छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 284 की उप-धारा (1) के अधीन अपेक्षानुसार छावनी बोर्ड, खास योल सूचना सं० के० वाई०/जी०/8-7 तारीख 24 अप्रैल, 1989 के अधीन प्रकाशित हुई थी जिसमें उन व्यक्तियों से उक्त अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 30 दिन की अवधि के अवसान तक आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थी;

और विनिर्दिष्ट तारीख से पूर्व कोई आक्षेप या सुझाव प्राप्त नहीं हुए है;

अतः छावनी बोर्ड, खास योल उक्त अधिनियम की धारा 60 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार

की पूर्व मंजूरी से भूतपूर्व रक्षा विभाग, छावनी विनियम, नई दिल्ली की अधिसूचना सं० 961 तारीख 30 मई, 1942 का निम्नलिखित संशोधन करता है, अर्थात् :—

उप-विधि

1. (1) इन उप-विधियों का संक्षिप्त नाम खास योल छावनी उप-विधि जन्म, मृत्यु और विवाह का रजिस्ट्रीकरण विनियमित करने के लिए (संशोधन) उप-विधि, 1989 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगी।

2. जन्म, मृत्यु और विवाह का रजिस्ट्रीकरण विनियमित करने के लिए खास योल छावनी उपविधि में, खण्ड 14 के स्थान पर, निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा, अर्थात् :—

14. किसी ऐसे व्यक्ति को, जो जन्म, मृत्यु या विवाह रजिस्टर में की किसी प्रविष्टि की प्रमाणित प्रति के लिए आवेदन करता है, ऐसी प्रति जिस पर कार्यपालक अधिकारी के हस्ताक्षर होंगे और जो छावनी बोर्ड की मुद्रा से मुद्रांकित होगी, दो रूपए की फीस का संदाय करने पर दी जाएगी। यदि, आवेदक अपर्याप्त या गलत सूचना देता है तो प्रत्येक ऐसे वर्ष के संबंध में जिसके लिए रजिस्टर की तलाश करनी पड़ती है, पचास पैसे की और फीस प्रभारित की जा सकेगी।

दिनांक 15 मई 1990

का० नि० आ० सं० के० वाई०/जी/०८-12—भूम कर बेचने वाले या अन्य व्यक्तियों द्वारा किसी गली, सार्वजनिक स्थान के उपयोग या अधिभोग के विनियमन अथवा प्रतिषेध के लिए खास योल छावनी उपविधियों में, जो भूतपूर्व रक्षा विभाग की अधिसूचना सं० 960 के रूप में तारीख 30 मई, 1942 को प्रकाशित की गई थी; कतिपय संशोधनों से सम्बन्धित लोक सूचना छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 284 की उप-धारा (1) की अपेक्षानुसार छावनी बोर्ड खास योल सूचना सं० के वाई०/जी/८-12 तारीख 25 मार्च, 1989 के अधीन प्रकाशित हुई थी, जिसमें उन व्यक्तियों से उक्त सूचना के प्रकाशन की तारीख से 30 दिन की अवधि के अवसान तक आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थी;

और विनिर्दिष्ट तारीख से पूर्व कोई आक्षेप या सुझाव प्राप्त नहीं हुए है; अतः छावनी बोर्ड, खास योल उक्त अधिनियम की धारा 60 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार की पूर्व मंजूरी से भूतपूर्व रक्षा विभाग की अधिसूचना सं० 960 तारीख 30 मई 1942 में निम्नलिखित संशोधन करता है अर्थात् :—

उप-विधि

1. (1) इन उप-विधियों का संक्षिप्त नाम खास योल छावनी भूमकर बेचने वाले या अन्य व्यक्तियों द्वारा किसी गली या सार्वजनिक स्थान के उपयोग या अधिभोग का नियमन अथवा प्रतिषेध (संशोधन) उप-विधि, 1989 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगी।

2. भूमकर बेचने वालों या अन्य व्यक्तियों द्वारा किसी गली या सार्वजनिक स्थान के उपयोग या अधिभोग के विनियमन अथवा प्रतिषेध के लिए खास योल छावनी उप-विधि में उप-विधि 3 के स्थान पर, निम्नलिखित उप-विधि रखी जाएगी अर्थात् :—

3. प्रत्येक व्यक्ति पर किसी गली या लोक स्थान के ऐसे किसी आग के उपयोग या अधिभोग के लिए जिसके लिए उप-विधि के अधीन अनुज्ञा दी गई है, एक रूपए प्रतिमास प्रतिवर्ग फुट के हिसाब से शुल्क प्रसारित किया जाएगा।

आर० सी० बोला,
छावनी कार्यपालक अधिकारी

रक्षा मन्त्रालय

छावनी बोर्ड, डलहौजी छावनी

डलहौजी छावनी, दिनांक 25 मई 1990

का० नि० आ०—सीबीडी-5/1/11—जबकि भारत सरकार के राजपत्र, भाग 3 अनुभाग 4, दिनांक 19 मार्च, 1988 में प्रकाशित का० नि० आ० संख्या सीबीडी-5/1/137 दिनांक पहली मार्च, 1988 का अधिक्रमण करते हुए, डलहौजी छावनी की सीमा के भीतर व्यवसाय कर अधिरोपित करने के लिए कतिपय प्रारूप की सार्वजनिक सूचना छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 255 के साथ पठित धारा 61 की अपेक्षानुसार छावनी क्षेत्र के प्रमुख भागों में दिनांक 28 दिसम्बर, 1989 को चिपका कर प्रकाशित किया था जिसमें उन सभी व्यक्तियों से जिन के उमसे प्रभावित होने की संभावना है उक्त सूचना के प्रकाशन की तारीख से तीस दिन की अवधि की समाप्ति तक आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे।

तथा चूंकि उपरोक्त निर्धारित अवधि के भीतर कोई भी आपत्तियां एवं सुझाव जनता से छावनी परिषद डलहौजी को प्राप्त नहीं हुए;

अब इस लिए छावनी अधिनियम 1924 (1924 का 2) की धारा 60 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय सरकार की पूर्व मंजूरी से छावनी बोर्ड डलहौजी, इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट दरों पर डलहौजी छावनी की सीमाओं के भीतर व्यवसाय कर नामक एक कर अधिरोपित करता है;

परन्तु कोई सैनिक व्यक्ति अपने सैनिक कर्तव्य के निष्पादन के संबंध में उक्त व्यापार और वृत्ति या आजीविका में से कोई या अधिक चलाने के लिए कर का संशय करने के लिए दायी नहीं होगा; और

(1) अनुसूची में मद 20 और 21 के अधीन भिन्न किसी व्यक्ति से उही परिसरों में एक अधिक व्यापार,

वृत्ति या आजीविका चलाने के लिए ऐसे सभी व्यापारों, वृत्तियों या आजीविकाओं की बाबत प्रति वर्ष या उसके भाग के लिए दो सौ पचास रुपये से अधिक रकम ऐसे कर के रूप में संदाय करने के लिए अपेक्षा नहीं की जाएगी;

(ii) छावनी सीमाओं के भीतर एक से अधिक स्थानों में एक से अधिक व्यापार, वृत्ति या आजीविका चलाने वाले किसी व्यक्ति से ऐसे स्थानों में प्रत्येक में सभी व्यापारों, वृत्तियों या आजीविकाओं की बाबत प्रति वर्ष या उसके भाग के लिए दो सौ रुपये से अधिक राशि ऐसे कर के रूप में संदाय करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी;

(iii) मद 20 और 21 के अधीन कार्य करने वाले किसी भवन और सड़क ठेकेदार से प्रतिवर्ष या उसके भाग के लिए दो हजार पांच सौ रुपये से अधिक व्यवसाय कर संदाय करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी।

अनुसूची
व्यवसाय कर

क्रम उन व्यक्तियों का वर्ग जो कर का संदाय प्रति वर्ष या वर्ष के भाग के लिए कर की दर

(1)	(2)	(3)
1. रेजीमेंट का ठेकेदार (उसकी यूनिट संधिवा के भीतर सभी व्यापार सम्मिलित होंगे।)	200 रुपए	
2. सेना सेवा कोर मांस ठेकेदार	200 रुपए	
3. सेना सेवा कोर लकड़ी ठेकेदार	200 रुपए	
4. सेना सेवा कोर सब्जी आलू प्याज ठेकेदार	200 रुपए	
5. सेना सेवा कोर सब्जी ठेकेदार	100 रुपए	
6. सेना सेवा कोर आलू ठेकेदार	50 रुपए	
7. सेना सेवा कोर प्याज ठेकेदार	50 रुपए	
8. सेना सेवा कोर अनबूझा चूना और लकड़ी के कोयले का ठेकेदार	50 रुपए	
9. सेना सेवा कोर कुक्कुट, अंडार और मछली ठेकेदार	150 रुपए	
10. सेना सेवा कोर शुष्क और ताजे फल ठेकेदार	100 रुपए	
11. सेना सेवा कोर भाड़ा परिवहन ठेकेदार	100 रुपए	
12. सेना सेवा खनिज जल ठेकेदार	50 रुपए	
13. घास ठेकेदार सैनिक फार्म	50 रुपए	
14. राज्य विद्युत बोर्ड	250 रुपए	
15. बिजली के माल का व्यापारी	50 रुपए	
16. विद्युत तंत्री और मैकेनिक	100 रुपए	

(1)	(2)	(3)
17. विद्युत वाईरिंग ठेकेदार		100 रुपए
18. मोटर परिवहन कम्पनी जिसमें राज्य पथ परिवहन निगम भी है		200 रुपए
19. सिनेमा का स्वत्वधारी		100 रुपए
20. पांच हजार रुपए की कुल राशि तक कार्य करने वाले भवन और सड़क ठेकेदार		30 रुपए
21. पांच हजार रुपए से अधिक के कुल रुपये तक के कार्य करने वाले भवन और सड़क ठेकेदार/प्रत्येक अतिरिक्त पांच हजार रुपए या उसके भाग के लिए		20 रुपए
22. मोटर हज़ार, से साईकिल राशि उपसाधनों के विक्रेता		100 रुपए
23. रेडियो और टेप रिकार्डर का व्यापारी		100 रुपए
24. बूट और जूतों का निर्माता और विक्रेता		100 रुपए
25. बूट और जूतों का व्यापारी		250 रुपए
26. कपड़ा व्यापारी		250 रुपए
27. फोटोग्राफर और फोटो माल का व्यापारी		50 रुपए
28. चिकित्सा व्यवसायी		200 रुपए
29. औषधि विक्रेता		100 रुपए
30. फर्नीचर का व्यापारी		10 रुपए
31. अंग्रेजी और देसी शराब का विक्रेता		250 रुपए
32. सिलाई मशीनों या उसके उपसाधनों का विक्रेता		30 रुपए
33. दर्जी की दुकान का मालिक		100 रुपए
34. दर्जी		50 रुपए
35. वस्त्र व्यापारी और मज्जा करने वाला		50 रुपए
36. सुनार		100 रुपए
37. लुहार या कलाईगर या बैल्डर		100 रुपए
38. डबल रोटी, बिस्कुट और केक निर्माता		50 रुपए
39. तम्बाकू फरोश, सिग्रेट या पान विक्रेता		20 रुपए
40. चित्रकार		20 रुपए
41. अंगोला फार्म का मालिक (खर-गोश की ऊन)		50 रुपए
42. मांस विक्रेता		100 रुपए
43. डबल रोटी और बिस्कुट विक्रेता		20 रुपए
44. मिठाई विक्रेता		100 रुपए
45. रंग साज या ड्राई-क्लीनर		50 रुपए

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
46.	खेल कूद सामान का विनिर्माता या विक्रेता	20 रुपए	79.	तेल भंडार का विक्रेता या पंजारी	20 रुपए
47.	घी का निर्माता या विक्रेता	20 रुपए	80.	जनरल मर्चेन्ट	250 रुपए
48.	मिट्टी के तेल का विक्रेता	10 रुपए	81.	दरियों का ब्यौहारी	50 रुपए
49.	लाभ के लिए पशुओं को रखने वाला	50 रुपए	82.	चूड़ियों का विक्रेता	25 रुपए
50.	बूट और जूतों की मरम्मत करने वाला	25 रुपए	83.	साबुन विक्रेता	10 रुपए
51.	घड़ई (कारपेन्टर)	25 रुपए	84.	क्राकरी का विक्रेता	10 रुपए
52.	दीवार घड़ियों और कलाई घड़ियों की मरम्मत करने वाला या विक्रेता	50 रुपए	85.	चीनी ब्यौहारी (थोक)	25 रुपए
53.	नाई	20 रुपए	86.	चीनी ब्यौहारी (परचून)	20 रुपए
54.	शीविन सैलून चलाने वाला	30 रुपए	87.	शुद्ध वनस्पति उत्पाद ब्यौहारी	20 रुपए
55.	पुराने कपड़ों या अन्य वस्तुओं का विक्रेता (कबाड़ी)	50 रुपए	88.	भवन सामग्री ब्यौहारी	50 रुपए
56.	समाचार पत्र अभिकर्ता	50 रुपए	89.	प्रसाधन आवश्यक सामग्री विक्रेता	20 रुपए
57.	खाद्य और पेय वस्तुओं को फेरी लगा कर बेचने वाला	20 रुपए	90.	लेखन सामग्री विक्रेता	20 रुपए
58.	खाद्य या पेय से भिन्न वस्तुओं को फेरी लगा कर बेचने वाला	50 रुपए	91.	ऊन विक्रेता	50 रुपए
59.	इत्रसाजी और केश तेल का ब्यौहारी	20 रुपए	92.	खिलौना विक्रेता	50 रुपए
60.	सूखी घास, घास भूसा ईंधन, जलाने की लकड़ी, कोयला या अन्य ज्वलन, शील सामग्री का ब्यौहारी	50 रुपए	93.	स्टोब उपसाधन ब्यौहारी	10 रुपए
61.	इमारती लकड़ी का ब्यौहारी	100 रुपए	94.	एम०ई०एस० फर्नीचर सप्लायर ठेकेदार	10 रुपए
62.	थोक सिग्रेटों का ब्यौहारी	50 रुपए	95.	छावनी बोर्ड बाजार सप्लायर ठेकेदार	100 रुपए
63.	पुस्तक विक्रेता	50 रुपए	96.	अव्पावधि के लिए खाद्य या पेय वस्तुओं को फेरी लगा कर बेचने वाला प्रतिमास	10 रुपए
64.	कुक्कट और मछली विक्रेता	50 रुपए	97.	अव्पावधि के लिए खाद्य या पेय से भिन्न वस्तुओं को फेरी लगा कर बेचने वाला प्रतिमास	20 रुपए
65.	फल और सब्जी विक्रेता	50 रुपए	98.	सिग्रेटों और तम्बाकू का थोक ब्यौहारी	50 रुपए
66.	गेहूँ, चावल या अन्य अन्न विक्रेता (बनिया बुकान)	25 रुपए	99.	चाय का थोक ब्यौहारी	100 रुपए
67.	बर्फ और खनिज जल विक्रेता	20 रुपए	100.	विरोजा ठेकेदार	250 रुपए
68.	घोड़ी	20 रुपए	101.	वैद्य	30 रुपए
69.	होटल चलाने वाला	200 रुपए	102.	छतरी ब्यौहारी	10 रुपए
70.	जलपान और केफे चलाने वाला	50 रुपए	103.	स्टेनलेस स्टील के बर्तनों का ब्यौहारी	50 रुपए
71.	पेट्रोल पम्प का मालिक	250 रुपए	104.	टी०बी० सैट्स या बी०सी०आर० या वी०डी० ओ० कैसेट का ब्यौहारी	250 रुपए
72.	नान वाला और तन्दूर वाला	50 रुपए	105.	प्रिंटिंग प्रेस (मुद्रणालय)	150 रुपए
73.	चमड़ा और खाल बेचने वाला	50 रुपए	106.	इन्ड्रेन गैस (कुकिंग गैस) का सप्लायर	250 रुपए
74.	बजरी, ईंटें या पत्थरों और रेत का विक्रेता या सप्लायर	100 रुपए	107.	आरा या ग्राईडिंग मशीन	250 रुपए
75.	पकोड़ा, कबाब या अन्य छोटे ब्यौहारी जो अनुसूची में अन्य उल्लिखित नहीं हैं	25 रुपए	108.	टैक्सियों के मालिक	50 रुपए
76.	दूध, दही या चाय का विक्रेता	20 रुपए	109.	कोई दूसरा व्यवसाय जो इस अनुसूची में नहीं दर्शाया गया है।	25 रुपए
77.	अन्न भूनने वाला (भड़-भून्जे)	20 रुपए			
78.	तांबा या पीतल के बर्तनों का व्यापारी	25 रुपए			

यू० एस० परमार,
छावनी अधिशासी अधिकारी,
बलहौजी छावनी

सैन्ट्रल वेअरहाउसिंग कारपोरेशन
(भारत सरकार का उपक्रम)

नई दिल्ली-110 016, दिनांक 18 मई 1990

सूचना

सं० सी० डब्ल्यू० सी०/III-1/32/90-बी० एंड सी०—
सैन्ट्रल वेअरहाउसिंग कारपोरेशन नियम, 1963 के नियम 13 के अनुसरण में विद्यमान रिक्ति को भरने हेतु 25-4-90 से 17-3-91 की अवधि के लिए वेअरहाउसिंग कारपोरेशन अधिनियम की धारा 7 की उप-धारा I के खण्ड (एफ) में विनिर्दिष्ट वर्ग के अंशधारियों द्वारा 25-4-90 को विधिवत चुने गए निदेशक का नाम तथा पता निम्न प्रकार से अधिसूचित किया जाता है :-

अंशधारियों का वर्ग	निदेशक का नाम तथा पता
बीमा कंपनियों, निवेश न्यास तथा अन्य वित्तीय संस्थाएं, कृषि वस्तुओं अथवा अधिसूचित वस्तुओं का व्यापार करने वाली मान्यता-प्राप्त संस्थाएँ तथा कंपनियाँ।	श्री ब्रजराज, महाप्रबन्धक बी ओरिएन्टल इन्सोरेंस कम्पनी लिमिटेड, नई दिल्ली

एम० मसीह,
सचिव

भारतीय भेषजी परिषद

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 मई 1990

शुद्धिपत्र

नं० 17-1/89 पी० सी० आई०/1194-1230—भारत के राजपत्र सं० 4—भाग—III, खण्ड—4 दिनांक 27-1-90 में प्रकाशित भारतीय भेषजी परिषद के 49वें (पृष्ठ संख्या 877 से 885) अधिवेशन में पारित अधिसूचनाओं के सन्दर्भ में निम्नलिखित संशोधन किया जाता है।

1. सभी प्रस्तावों के दूसरे पैरा की द्वितीय पंक्ति में “भेषज” के स्थान पर “भेषजी” व चौथी/पांचवीं पंक्ति में “भेषज” के स्थान पर “भेषज” पढ़ें।

2. प्रस्ताव संख्या 49/पी० सी० आई०/669 पृष्ठ संख्या 878 की दूसरी सारणी में :-

(i) जी० पुल्ला रेड्डी राजकीय फार्मसी संस्थान, करनूल के सन्दर्भ में :-

के स्थान पर	पढ़ें
“11”	“60”

(ii) राजकीय महिला पालीटेक्निक, कुडप्पा के सन्दर्भ में :-

के स्थान पर	पढ़ें
“26”	“20”

3. प्रस्ताव संख्या 49/पी० सी० आई०/676, पृष्ठ संख्या 880 की तीसरी सारणी में :-

(i) जी० के० इस्टिड्यूट आफ फार्मसी, अकोला के सन्दर्भ में :-

के स्थान पर	पढ़ें
“1990-90”	“1990-91”

(ii) श्री शिवाजी इस्टिड्यूट आफ फार्मसी, परभानी के सन्दर्भ में :-

के स्थान पर	पढ़ें
“1989-60”	“1989-90”

4. प्रस्ताव संख्या 49/पी० सी० आई०/680, पृष्ठ संख्या 881 की प्रथम सारणी में :-

के स्थान पर	पढ़ें
“बी० एम० कालेज आफ फार्मसी सानेम”	“बी० एम० कालेज आफ फार्मसी, सालेम”

5. प्रस्ताव संख्या 49/पी० सी० आई०/682, पृष्ठ संख्या 882 की प्रथम सारणी में :-

के स्थान पर	पढ़ें
“राजकीय महिला पालीटेक्निक चेंडीगढ़”	“राजकीय महिला पालीटेक्निक, चेंडीगढ़”

6. प्रस्ताव संख्या 49/पी० सी० आई०/683, पृष्ठ संख्या 882 के प्रथम पैरा की द्वितीय पंक्ति में :-

के स्थान पर	पढ़ें
“(1948 का 18)”	“(1948 का 8)”

7. प्रस्ताव संख्या 49 पी० सी० आई०/696 पृष्ठ संख्या 885 का प्रथम सारणी में

के स्थान पर	पहें
"कालेज आफ फार्मोसी, एसम जीम एस०आई०टी० एस० इन्दौर"	"कालेज आफ फार्मोसी एस० जी० एस०आई०टी० एस०, इन्दौर"

8. प्रस्ताव संख्या 49/पी० सी० आई०/697, पृष्ठ संख्या 885 का प्रथम सारणी में:—

के स्थान पर	पहें
"डिपार्टमेंट आफ फार्मास्यूटिकल साइंसेस, डाम एच० जस० गौर विश्वविद्यालय, सागर"	"डिपार्टमेंट आफ फार्मास्यूटिकल साइंसेस, डा० एच० एस० गौर विश्वविद्यालय, सागर"

देवेन्द्र कुमार जैन, सचिव

ORIENTAL BANK OF COMMERCE
(PERSONNEL DEPARTMENT)
HEAD OFFICE

New Delhi-110 001, the 11th May 1990

No. 3911.—In exercise of the powers conferred by Section 19 of the Banking Companies (Acquisition & Transfer of Undertakings) Act, 1980 (40 of 1980), the Board of Directors of Oriental Bank of Commerce in Consultation with the Reserve Bank of India and with the previous sanction of the Central Government hereby make the following Regulations further to amend the Oriental Bank of Commerce (Officers) Service Regulations, 1982.

2. Short Title and Commencement.—These Regulations may be called the Oriental Bank of Commerce (Officers) Service Amendment Regulations, 1990.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

3. Amendment to Regulation 2

2. (1) These regulations shall apply to all officers of the bank and to such other employees of the bank to whom they may be made applicable by the Competent Authority to the extent and subject to such conditions as such authority may decide.

(2) They shall also apply to officers transferred/posted/duped outside India except to such extent as may be specifically or generally prescribed by the Competent Authority.

(3) They shall, however, not apply to employees appointed/engaged in any country outside India and permanently serving there.

P. K. MEHRA
Chief Manager (Per)

SYNDICATE BANK
INDUSTRIAL RELATIONS DIVISION
(PERSONNEL DEPARTMENT)
HEAD OFFICE

Manipal, the 18th May 1990

No. 470/S/0090/PD : IRD(O).—In exercise of the powers conferred by Section 19 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 (5 of 1970), the Board of Directors of Syndicate Bank in consultation with the Reserve Bank of India and with the previous sanction of the Central Government hereby makes the following Regulations further to amend the Syndicate Bank Officers' Service Regulations, 1979.

1. Short title and commencement :

(i) These Regulations may be called the Syndicate Bank (Officers) Service (Amendment) Regulations 1990.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

(iii) Details of Amendment :

Regulation No. & Regulation as amended

- | | |
|------|---|
| 3(k) | 'Pay' means basic pay including stagnation increment. |
| 3(1) | 'Salary' means the aggregate of the pay and dearness allowance. |
| 4(1) | On and from 1-2-1984, there shall be the following four grades for officers with the scale of pay specified against each of the grades :— |
| (a) | Top Executive Grade :
Scale VII Rs. 4,100-125-4,600
Scale VI Rs. 3,850-125-4,350 |
| (b) | Senior Management Grade :
Scale V Rs. 3,575-110-3,685-115-3,800
Scale IV Rs. 2,925-105-3,450 |
| (c) | Middle Management Grade :
Scale III Rs. 2,650-100-3,250
Scale II Rs. 1,825-100-2,925 |
| (d) | Junior Management Grade :
Scale I Rs. 1,175-60-1,475-70-1,895-EB-95-2,275-100-2,675 |

On and from 1-11-1987, the scales of pay specified against each grade shall be as under :—

- | | |
|-----|--|
| (a) | Top Executive Grade :
Scale VII Rs. 6,400-150-7,000
Scale VI Rs. 5,950-150-6,550 |
| (b) | Senior Management Grade :
Scale V Rs. 5,350-150-5,950
Scale IV Rs. 4,520-130-4,910-140-5,050-150-5,350 |
| (c) | Middle Management Grade :
Scale III Rs. 4,020-120-4,260-130-4,910
Scale II Rs. 3,060-120-4,260-130-4,390 |
| (d) | Junior Management Grade :
Scale I Rs. 2,100-120-4,020. |

Provided that every Officer who is governed by the scale of pay as in force on the appointed date having been fitted into the said scale of pay in accordance with the guidelines of the Government issued under Regulation 8, shall be fitted in the scale of pay set out above in accordance with the guidelines of the Government.

Regulation No. & Regulation as amended

5(1) On and from 1-11-1987, the increments shall be granted subject to the following sub-clauses :—

- (a) The increments specified in the scale of pay set out in Regulation 4(1) shall, subject to the sanction of the Competent Authority, accrue on an annual basis and shall be granted on the first day of the month in which these fall due.
- (b) Officers in Scale I and Scale II, 1 year after reaching the maximum in their respective scales, shall be granted further increments including stagnation increment(s) in the next higher scale only as specified in (c) below subject to their crossing the efficiency bar.
- (c) Officers including those referred to in (b) above who reach the maximum of the Middle Management Grade Scales II and III shall draw stagnation increment(s) for every three completed years of service after reaching the last stage of the Scale II or Scale III as the case may be subject to a maximum of two such increments of Rs. 130/- each for officers in the last stage of Scale II and one such increment of Rs. 140/- for officers in the last stage of Scale III

NOTE : Grant of such increments in the next higher scale shall not amount to promotion. Officers even after receipt of such increments shall continue to get privilege, perquisites, duties, responsibilities or posts of their substantive Scale I or Scale II as the case may be.

5(2) On and from 1-11-1987 officers who reach or have reached the maximum in the pay scale and are unable to move further except by way of promotion shall subject to Government guidelines, if any, be granted Professional Qualification Allowance in lieu of additional increments in consideration of passing CAIB Examination as under :—

Those who have passed only Rs. 100/- p.m. after one year, Part I of CAIB of which Rs. 75/- shall rank for superannuation benefits.

Those who have passed (i) Rs. 100/- p.m. after 1 year, both parts of CAIB of which Rs. 75/- shall rank for Superannuation benefit

(ii) Rs. 250/- p.m. after 2 years of which Rs. 200/- shall rank for superannuation benefits.

NOTE : If an officer who is in receipt of Professional Qualification Allowance is promoted to next higher scale, he shall be granted, on fitment into such higher scale, additional Increment(s) for passing CAIB to the extent increments are available in the scale and if no increments are available in the scale or only one increment is available in the scale, the Officer shall be eligible for Professional Qualification Allowance in lieu of increment(s).

21. On and from 1-11-1987, Dearness Allowance Scheme shall be, as under :—

- (i) Dearness Allowance shall be payable for every rise or fall of 4 points over 600 points in the quarterly average of the All India Average Working Class Consumer Price Index (General) Base 1960=100.
- (ii) Dearness Allowance shall be payable as per the following rates :—
 - (i) 0.67% of 'pay' upto Rs. 1,650/- plus,
 - (ii) 0.55% of 'pay' above Rs. 1,650/- to Rs. 2,835/- plus,
 - (iii) 0.33% of 'pay' above Rs. 2,835/- to Rs. 4,020/- plus,
 - (iv) 0.17% of 'pay' above Rs. 4,020/-.

Regulation No. & Regulation as amended

22(1) On and from 1-11-1987, where an officer is provided with residential accommodation by the Bank, 6% of the pay in the first stage of the scale of pay in which he is placed or the standard rent for the accommodation, whichever is less, will be recovered from him.

22(2) On and from 1-11-1987, where an officer is not provided any residential accommodation by the Bank, he shall be eligible for House Rent Allowance at the following rates :—

Where the place of work is in	HRA payable shall be
(i) Major 'A' class cities specified as such from time to time in accordance with the guidelines of the Government and Project Area Centres in Group 'A'.	14% of the pay subject to a maximum of Rs. 375/-.
(ii) Other places in Area I and Project Area Centres in Group 'B'.	12% of the pay subject to a maximum of Rs. 300/-.
(iii) Area II and state capitals and capitals of Union Territories not covered by (i) and (ii) above.	10% of the pay subject to a maximum of Rs. 250/-.
(iv) Area III	8% of the pay subject to a maximum of Rs. 225/-.

Provided that if an officer produces a rent receipt, the House Rent Allowance payable to him shall be the actual rent paid by him for his residential accommodation in excess over 6% of the pay in the first stage of the scale of pay in which he is placed, with a maximum of 160% of the maximum House Rent Allowance payable otherwise.

22(3) Where an officer resides in his own accommodation he shall be eligible for a House Rent Allowance on the same basis as mentioned in proviso to Sub-regulation (2) as if he were paying by way of monthly rent a sum equal to one twelfth of the higher of A or B below :

A

The aggregate of :—

- (i) Municipal taxes payable in respect of the accommodation; and
- (ii) 12% of the capital cost of the accommodation including the cost of the land and if the accommodation is part of a building, the proportionate share of the capital cost of the land attributable to that accommodation, excluding the cost of special fixtures, like air-conditioners or

B

The annual rental value taken for municipal assessment of the accommodation.

Explanation :—

- (1) For the purpose of this Regulation "standard rent" means :—
 - (a) In the case of any accommodation owned by the Bank, the standard rent calculated in accordance with the procedure for such calculation in vogue in the Government;
 - (b) Where accommodation has been hired by the Bank, contractual rent payable by the Bank.

Regulation No. & Regulation as amended

- 23(i) On and from 1-11-1987, if he is serving in a place mentioned in Column 1 of the Table below, a City Compensatory Allowance at the rate mentioned in Column 2 thereof against that place, provided that the City Compensatory Allowance at places in the state of Goa other than urban agglomeration of Panaji and Marmugao, where it was not payable on 1-11-1987 shall be payable with effect from 20-8-1987.

Places (1)	Rates (2)
(a) Places in Arca I and in the State of Goa	6-1/2% of basic pay subject to a maximum of Rs. 220/- per month.
(b) Places with population of 5 lakhs and over and state capitals and Chandigarh, Pondicherry and Port Blair not covered by (a) above.	4% of basic pay subject to a maximum of Rs. 135/- per month.

- 23(v) On and from 1-11-1987, if an officer is deputed to serve outside the Bank, he may opt to receive the emoluments attached to the post to which he is deputed. Alternatively, he may in addition to his pay, draw a deputation allowance of 12% of pay, maximum Rs. 700/- and such other allowances as he would have drawn had he been posted in the Bank's service at the place.

Provided that where he is deputed to an organisation which is located at the same place where he was posted immediately prior to his deputation, he shall receive a deputation allowance equal to 6% of his pay, maximum Rs. 350/-.

Provided further that an officer on deputation to the Training Establishment of the Bank as a faculty member or to Banking Service Recruitment Board shall be eligible for deputation allowance at 6% of his pay maximum Rs. 350/-.

- 23(vi) On and from 1-11-1987, if he is required to officiate in a post in a higher scale for continuous period of not less than 7 days at a time or an aggregate of 7 days during a calendar month, he shall receive an officiating allowance equal to 6% of his pay, subject to a maximum of Rs. 250/- p.m. for the period for which he officiates. Officiating allowance will rank as pay for purposes of Provident Fund and not for other purposes.

Provided that where an officer comes to officiate in a higher scale, as a consequence solely of the review of the categorisation of posts under Regulation 6, he shall not be eligible for the Officiating Allowance for a period of one year from the date on which the review of the categorisation takes effect.

- 23(vii) On and from financial year 1989/90 if he is posted at a branch where books are closed on 31st March and 30th September a closing allowance of Rs. 150/- for each of the two closings.

- 23(x) On and from 1-11-1987, if he is serving in a place mentioned in Column 1 of the table below, a hill

Regulation No. & Regulation as amended

and fuel allowance at the rate mentioned in Column 2 thereof :—

Place (1)	Rate (2)
(i) Place with an altitude of 1000 metres and above but less than 1500 metres and Mercara Town.	5% of pay subject to a maximum of Rs. 130/-.
(ii) Place with an altitude of 1500 metres and above but less than 3000 metres.	6-1/2 of pay subject to a maximum of Rs. 160/-.
(iii) Place with an altitude of 3000 metres and above	15% of pay subject to a maximum of Rs. 600/-.

NOTE : (a) Officers posted at places with an altitude of not less than 750 metres and which are surrounded by hills with higher altitude which cannot be reached without crossing an altitude of 1000 metres or more, will be paid hill and fuel allowance at the same rate as is payable at centres with an altitude of 1000 metres and above.

- (b) Hill and Fuel Allowance presently paid at any centre not covered by the above classification shall stand withdrawn. The allowance already paid between 1-11-1987 and 30-4-1989 shall not be recovered. From 1st May, 1989 onwards, the quantum of allowance paid as on 30th April under the old provisions alone shall be protected in the case of Officers posted at that centre on or before that date till the time they remain posted at that centre in the same scale of pay.

- 24(1) An Officer shall be eligible for reimbursement of medical expenses actually incurred by him in respect of himself and his family on the following basis namely :—

(a) Medical Expenses :

On and from 1-11-1987, reimbursement of medical expenses of an officer in the pay range specified in Column 1 of the Table below and his family may be made on the strength of the officer's own certificate of having incurred such expenditure supported by a statement of accounts for the amounts claimed subject to the limit specified in Column 2 thereof :

TABLE

Pay Range (1)	Reimbursement limit p.a. (2)
Rs. 2100/- to Rs. 3,060 p.m.	Rs. 600/-
Rs. 3,061/- p.m. and above	Rs. 800/-

NOTE : An officer may be allowed to accumulate unavailed medical aid so as not to exceed at any time three times the maximum amount provided above.

Explanation : 'FAMILY' of an officer for the purpose of this regulation shall consist of spouse, wholly dependent children and wholly dependent parents only.

(b) Hospitalisation Expenses :

- (i) On and from 1-4-1989, hospitalisation charges shall be reimbursed to the extent of 90% in the case of an Officer and 60% in the case of his family members in respect of all cases which require hospitalisation.

- (v) On and from 1-4-1989, medical expenses incurred in respect of the following diseases

Regulation No. & Regulation as amended

which need domiciliary treatment as may be certified by the recognised hospital authorities and bank's medical officer shall be deemed as hospitalisation expenses and reimbursed to the extent of 90% in the case of an officer and 60% in the case of his family members :

Cancer, Tuberculosis, Paralysis, Cardiac ailment, Tumour, Small Pox, Pleuresy, Diphtheria, Leprosy, Kidney ailment.

- (25) On and from 1-11-1987, no officer shall be entitled as of right to be provided with residential accommodation by the Bank. It shall, however, be open to the Bank to provide residential accommodation on payment by the Officer of 6% of the pay in the first stage of the scale of pay in which he is placed or the standard rent for the accommodation whichever is less. Provided that a further sum equal to 11% of pay in the first stage of the scale of pay will be recovered by the Bank from an Officer if furniture is provided at such residence. Provided further that, where such residential accommodation is provided by the Bank, the charges for electricity, water, gas and conservancy shall be borne by the Officer.

- 34(1) On and from 1-1-1989, an officer shall be eligible for 30 days of sick leave for each completed year of service subject to a maximum of 18 months during the entire service. Such leave can be accumulated upto 540 days during the entire service and may be availed of only on production of medical certificate by a medical practitioner acceptable to the Bank or at the Bank's discretion nominated by it at its cost.

- 35 On and from 1-1-1989, where an officer has put in a service of 24 years, he shall be eligible to additional sick leave at the rate of one month for each year of service in excess of 24 years subject to a maximum of three months of additional sick leave.

- 41 On and from 1-7-1989, the following provisions shall apply whenever an officer is required to travel on duty :

- (i) An officer in Junior Management Grade may travel by 1st class or AC sleeper by train. He may, however, travel by air (economy class) if so permitted by the Competent Authority, having regard to the exigencies of business or public interest.
- (ii) An officer in Middle Management Grade may travel by 1st class or AC sleeper by train. He may, however, travel by air (economy class) if the distance to be travelled is more than 500 kms. He may, however, travel by air (economy class) even for a shorter distance if so permitted by the Competent Authority, having regard to the exigencies of business or public interest.
- (iii) An officer in Senior Management or Top Executive Grade may travel by train AC 1st class or by air (economy class).
- (iv) An officer in Senior Management or Top Executive Grade may travel by car between places not connected by air or rail provided that the distance does not exceed 500 kms. However when a major part of the distance between the two places can be covered by air or rail only the rest of the distance should normally be covered by car.

Regulation No. & Regulation as amended

- 42(2) (i) On and from 1-11-1987 an officer on transfer will be reimbursed his expenses for transporting his baggage by goods train upto the following limits :

Pay range	Where he has family	Where he has no family
Rs. 2,100/- p.m. to Rs 3060 /- p.m.	3000 kgs.	1000 kgs.
Rs. 3,061/- p.m. and above	Full Wagon	2000 kgs.

- 45(2) The Bank shall contribute to the Provident Fund in accordance with the rules governing the Provident Fund, from time to time, provided that the amount contributed by it shall not be more than 10% of 80% of pay on and from 1-11-1987 to 31-12-1988, 10% of 90% of pay on and from 1-1-1989 to 31-12-1989 and 10% of pay and from 1-1-1990, of the officer.

- 46(2) The amount of Gratuity payable to an officer shall be one month's pay for every completed year of service, subject to maximum of 15 month's pay. Provided that where an officer has completed more than 30 years of service, he shall be eligible by way of Gratuity for an additional amount at the rate of one half of a month's pay for each completed year of service beyond thirty years.

NOTE : If the fraction of service beyond completed years of service is six months or more, Gratuity will be paid prorata for the period.

K. C. PAI
General Manager (P&S)

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi, the 23rd May 1990

No. V.33(13)-15/85-Estt/IV.—In pursuance of Section 25 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) read with Regulation 10 of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 and in supersession of the Corporation's notification No. V.33(13)-15/82-Estt/IV dated 13-7-1983 and amendment dated 29-3-1984, the Chairman, ESI Corporation hereby reconstitutes the Regional Board, Tamil Nadu, which shall consist of the following members, namely :—

CHAIRMAN

1. Minister for Information and Labour,
Government of Tamil Nadu

VICE-CHAIRMAN

2. Minister for Public Health,
Government of Tamil Nadu.

MEMBER REPRESENTING STATE GOVERNMENT

3. The Secretary,
Government of Tamil Nadu,
Health and Family Welfare Department,
Madras.

OFFICER DIRECTLY INCHARGE OF THE ESI SCHEME
IN THE STATE-EX-OFFICIO

- 4 The Additional Director of Medical Services and
Family Welfare,
ESI Scheme, Tamil Nadu, Madras.

EX-OFFICIO

5. The Deputy Medical Commissioner,
Employees' State Insurance Corporation,
South Zone, Bangalore.

Member of the ESI Corporation residing in the
State-Ex-Officio
6. The Secretary to the Government of Tamil Nadu,
Labour and Employment Department,
Madras.

Employers' representative
7. Shri S. Madhavan,
Law Officer,
The South India Mill Owner's Association,
Post Box No. 3783, Race Course,
Coimbatore-641018.

Employers' additional representative
8. Shri N. Kannan,
Secretary,
The Employers' Federation
of South India,
Madras-600 018.

Employers additional representative
9. Shri M. M. Rao,
Convenor, Industrial Relations Committee,
Tamil Nadu Confederation of Engineering Industry,
Madras-600 006.

Employers' additional representative
10. Shri R. Viswanathan,
Vice President,
All India Manufacturers Organisation,
Madras.

Employees' representative
11. Shri C. Kuppusamy,
President,
Labour Progressive Federation,
No. 36, Azudi Khan Bahadur Street,
Triplicane, Madras-600 005.

Employees' representative
12. Shri G. Kalan,
Assistant Secretary,
Tamil Nadu Branch,
Indian National Trade Union Congress,
INTUC Building,
M.T.H. Road, SIDCO 'Estate',
Madras.

Employees' additional representative
13. Shri S. Chandrasekaran,
Member, State Committee,
Centre of Indian Trade Union,
No. 13, Mosque Street, Chempauk,
Madras-600 005.

Employees' additional representative
14. Shri S. Kasi Viswanathan,
General Secretary,
All India Trade Union Congress,
No. 36/1, Kutralam Road,
Laalukapuram, Tirunelveli-627008.

MEMBER-SECRETARY.
15. The Regional Director,
ESI Corporation,
Madras. (Tamil Nadu).

SMT. KUSUM PRASAD
Director General

New Delhi, 23rd April 1990

No. U-16/53/90-Med.II(T.N.).—In pursuance of the Resolution passed at its meeting held on 25th April, 1951, conferring upon the Director General the powers of the Corporation under Regulation's 105 of the ESI (General) Regulations, 1950, and such powers having been further delegated to me vide Director General's order No. 1024(G) dated 23rd May, 1983, I hereby authorise Dr. T. Md. Ghouse,

143 Sterling Road, Madras-34, to function as Medical Authority for Madras Centre in Tamil Nadu wef 1-4-90 to 31-3-91 or till a full time medical referee joins, which ever is earlier on the existing terms and conditions, at a monthly remuneration as per norms for the purpose of medical examination of the Insured Persons and grant of further certificates to them when the correctness of the original certificates is in doubt.

DR. K. M. SAXENA
Medical Commissioner

MINISTRY OF COMMUNICATION
DEPARTMENT OF POSTS

New Delhi-1, the 15th May 1990

No. 25-12/88-LI.—P.L.I. policy particularised below having been lost from the Departmental custody, notice is hereby given that the payment thereof has been stopped. The Director, Postal Life Insurance, Calcutta has been authorised to issue duplicate policy in favour of the insured. The public are hereby cautioned against dealing with original policy :—

Sl. No.	Policy No. & Date	Name of Insurant	Amount (Rs.)
1	357522-p 30-9-78 EA/45	Smt. Mansa Devi	5,000/-

The 18th May 1990

No. 25-3/90-LI.—P.L.I. Policies particularised below having been lost from the Department custody, notice is hereby given that the payment thereof has been stopped. The Director, Postal Life Insurance, Calcutta has been authorised to issue duplicate policies in favour of the insureds. The public are hereby cautioned against dealing with the original policies :—

S. No.	Policy No. & Date	Name of Insurant	Amount (Rs.)
1	194503-P EA/50 dated 3-4-75	Shri K Rajagopalan	5,000/-

P. GOPINATH
Director (PLI)

OFFICE OF THE CENTRAL PROVIDENT FUND
COMMISSIONER

New Delhi-110 001, the 21st May 1990

No. P.IV/1(2)/87/RR.—In exercise of the powers conferred by sub-section 7(a) of section 5(D) of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Board hereby makes the following rules for regulating the method of recruitment to the post of Senior Accountant under the Employees' Provident Fund Organisation, namely :—

1. Short title and Commencement :—

- (1) These Rules may be called the "Employees' Provident Fund Organisation Senior Accountant Recruitment Rules, 1990."
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official gazette.

2. Application.—These rules shall apply to the posts specified in column 1 of the Schedule annexed to these rules.

3. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of posts, their classification and scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the aforesaid Schedule.

Method of recruitment, age limit and other qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 14 of the said Schedule.

5. *Disqualification.*—No person:

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post.

Provided that the Central Board, or when so authorised by the Board, the Central Provident Fund Commissioner may, if satisfied, that such marriage is permissible under the

personal law applicable to such person, and the other party to the marriage, and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. *Power to relax.*—Where the Central Board is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

7. *Saving.*—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, the Ex-servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

THE SCHEDULE

Name of post	*No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection/non-Selection posts	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the C. C. S. (Pension) Rules, 1972	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
Senior Accountant	10 (1989)	Group 'C', Non-Ministerial	Rs. 1400-40-1800 -EB-50-2300	Not applicable	Not applicable	Not applicable	Not applicable

*Subject to variation dependent on workload.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any	Method of recruitment, whether by direct recruitment or by promotion or by deputation /transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by Promotion deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment
(9)	(10)	(11)	(12)	(13)	(14)
Not applicable	Not applicable	By transfer on deputation	By transfer on deputation (i) Upper Division Clerks in Central Government Departments/Offices with 5 years' service in the grade and having experience in maintenance of Civil Accounts. (ii) filling (i) Upper Division Clerks in the Organised Accounts Departments with 5 years' service in the grade and having experience in maintenance of Civil Accounts (Those with experience in maintenance of accounts relating to Central Public Works Department preferred). (Period of deputation/contract including the period of deputation/contract in another establishment post held immediately preceding this appointment in the same or some other organisation/Department of the Central Government shall ordinarily not exceed 3 years).	Not applicable	Not applicable

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. 1/3123.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-Section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), (hereinafter referred to as the said Act):

AND WHEREAS, J. B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more

favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

of Labour notification No. and date shown against the name of each of the said establishment and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I. B. N. Som, hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said scheme for a further period of 3 years as indicated against their names.

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry

SCHEDULE — I

REGION : COIMBATORE

Sl. No.	Name and Address of the Establishment	Code No.	No. & Date of the Govt's Notification vide which exemption was granted/extended	Date of expiry earlier exemption	Period for exemption further	C. P. F. 's File No.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1.	M/s. Gandhi Ashram, Tiruchaugodu, Gandhi Ashram, Post Office : Salem, Distt. Pin : Code - 637201, Tamil Nadu	TN/10177	S-35014 (113)/83-PF/II, dt. 6-5-83.	5-5-86	6-5-86 to 5-5-89 to 6-5-89 to 5-5-92	2/890/83-DLI
2.	M/s. Lakshmi Automatic Loom Works Limited, Hasur Industrial Area, Pin Code : 635126.	TN/11479	S-35014/303/83-PF/II/SS-II, dt. 3-12-86	27-1-90	28-1-90 to 27-1-93	2/971/83-DLI
3.	M/s. The Associated Cement Companies Limited, Madukkarai Cement Works, Coimbatore-641105.	TN/83	S-35014/228/82-PF-H (SS-IV) dt. 28-6-85	26-11-88	27-11-88 to 26-11-91	2/658/82-DLI Vol. II
4.	M/s. Tudiyalur Co-operative Agricultural Services Ltd., Tudiyalur Post Office, Coimbatore-641034.	TN/6326	S-35014/169/85-SS-IV, dt. 28-6-85.	27-6-88	28-6-88 to 27-6-91	2/1250/85-DLI

SCHEDULE—II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/pt. 1/3119.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule I

(hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under the sub-Section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act :

AND WHEREAS, I. B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissi-

ble under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I. B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishments with retrospective effect from the date mentioned against each from which date relaxation order under para 23(7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Tamilnadu from the operation of the said scheme for and up to a period of three years.

SCHEDULE—I

TIRUCHIRAPALLI

Sl. No.	Name and Address of the Establishment	Code No.	Effective date of exemption	C. P. F. C's File No.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	M/s Nagammal Cotton Mills (P) Ltd., Alagappa Nagar, Vikravandi - 605652 South Arcot District.	TN/2952	1-4-88	2/2064/89/DLI
2.	M/s. Sri Chidambara Vilas Motor Service, No. 2, Dindigul Road, Tiruchirapalli-8.	TN/3643	1-3-89	2/2685/90/DLI
3.	M/s. Sri Krishna Transports, Rajan Road, Alagmelu-Mangapuram, Thanjavur.	TN/3643-A	1-3-89	2/2688/90/DLI
4.	M/s. Pudukkottai Central Co-operative Bank Ltd., Pudukkottai 622001 and Head Office at Pudukkottai and Eighteen branches in Pudukkottai District.	TN/4178	1-2-88	2/2684/90/DLI
5.	M/s. Indo-Fab, No. D-31 & 32, Developed Plots Industrial Estate, Thumakudy Trichy - 620015	TN/10471 & TN/10471-A	1-9-87	2/2686/90/DLI
6.	M/s. Arignar Anna Sugar Mills, Kurungulam - 613303 Thanjavur District.	TN/10999	1-4-88	2/2689/90/DLI
7.	M/s. S. R. F. Industrial Fabrics, 4, Promenade Road, Trichy - 620001. alongwith its branches at Madras, Bombay, Calcutta & Delhi	TN/19576	1-1-87	2/2690/90/DLI

SCHEDULE—II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Wherean an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in

his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6/ The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s) /legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance

Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled to it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

The 22nd May 1990

No. P. IV/1(6)/89.—In exercise of the powers conferred by Sub-section 7(a) of Section 5(D) of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Board of Trustees hereby makes the following rules further to amend the Employees' Provident Fund Organisation, Hindi Translator (Grade II) Recruitment Rules, 1983 namely :—

1. (1) These rules may be called the Employees' Provident Fund Organisation Hindi Translator (Grade II) (Amendment) Recruitment Rules, 1990.
- (2) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the covering notification, the para 6 relating to power to relax shall be substituted as follows :—

"6. Power to relax :—Where the Central Board is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons".

No. P. IV/1(6)/89.—In exercise of the powers conferred by Sub-section 7(a) of Section 5(D) of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Board of Trustees hereby makes the following rules further to amend the Employees' Provident Fund Organisation (Stenographers) Recruitment Rules, 1986 namely :—

1. (1) These rules may be called the Employees' Provident Fund Organisation (Stenographers) (Amendment) Recruitment Rules, 1990.
- (2) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the covering notification the para 5 relating to power to relax shall be substituted as follows :—

"5. Power to relax :—Where the Central Board is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons".

No. P. IV/1(6)/89.—In exercise of the powers conferred by Sub-section 7(a) of Section 5(D) of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Board of Trustees hereby makes the following rules further to amend the Employees' Provident Fund Organisation Junior Librarian and Library Attendant Recruitment Rules, 1985 namely :—

1. (1) These rules may be called the Employees' Provident Fund Organisation Junior Librarian and Library Attendant (Amendment) Recruitment Rules, 1990.
- (2) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the covering notification the para 5 relating to power to relax shall be substituted as follows :—

"5. Power to relax :—Where the Central Board is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons".

No. P. IV/1(6)/89.—In exercise of the powers conferred by Sub-section 7(a) of Section 5(D) of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Board of Trustees hereby makes the following rules further to amend the Employees' Provident Fund Organisation Electrician (Wireman) Recruitment Regulations 1986, namely :—

1. (1) These regulations may be called the Employees' Provident Fund Organisation Electrician (Wireman) (Amendment) Recruitment Regulations, 1990.
- (2) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the covering notification, the para 6 relating to power to relax shall be substituted as follows :—

"6. Power to relax :—Where the Central Board is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these regulations with respect to any class or category of persons".

No. P. IV/1(6)/89.—In exercise of the powers conferred by Sub-section 7(a) of Section 5(D) of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Board of Trustees hereby makes the following rules further to amend the Employees' Provident Fund Organisation Plumber and Pump Operator Recruitment Rules, 1986 namely :—

1. (1) These rules may be called the Employees' Provident Fund Organisation Plumber and Pump Operator (Amendment) Recruitment Rules, 1990.
- (2) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the covering notification, the para 6 relating to power to relax shall be substituted as follows :—

"6. Power to relax :—Where the Central Board is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons".

No. P. IV/1(6)/89.—In exercise of the powers conferred by Sub-section 7(a) of Section 5(D) of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Board of Trustees hereby makes the following rules further to amend the Employees' Provident Fund Organisation Staff Car Driver/Jeep Driver and Despatch Rider/Scooter Driver Recruitment Regulations 1986, namely :—

1. (1) These regulations may be called the Employees' Provident Fund Organisation Staff Car Driver/Jeep Driver and Despatch Rider/Scooter Driver (Amendment) Recruitment Regulations 1990.
- (2) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the covering notification, the para 6 relating to power to relax shall be substituted as follows :—

"6. Power to relax :—Where the Central Board is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these regulations with respect to any class or category of persons".

No. P. IV/1(6)/89.—In exercise of the powers conferred by sub-section 7(a) of Section 5(D) of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952

(19 of 1952), the Central Board of Trustees hereby makes the following rules further to amend the Employees' Provident Fund Organisation Binder Recruitment Regulations 1986, namely :—

1. (1) These regulations may be called the Employees' Provident Fund Organisation Binder (Amendment) Recruitment Regulations, 1990.

(2) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the covering notification, the para 5 relating to power to relax shall be substituted as follows :—

"5. Power to relax :—Where the Central Board is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these regulations with respect to any class or category of persons".

No. P.IV/1(6)/89.—In exercise of the powers conferred by sub-section 7(a) of Section 5(D) of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Board of Trustees hereby makes the following rules further to amend the Employees' Provident Fund Organisation Lift Operator Recruitment Rules, 1986 namely :—

1. (1) These rules may be called the Employees' Provident Fund Organisation Lift Operator (Amendment) Recruitment Rules, 1990.

(2) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the covering notification, the para 5 relating to power to relax shall be substituted as follows :—

"5. Power to relax :—Where the Central Board is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons".

No. P.IV/1(6)/89.—In exercise of the powers conferred by sub-section 7(a) of Section 5(D) of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Board of Trustees hereby makes the following rules further to amend the Employees' Provident Fund Organisation Statistical Assistant Recruitment Regulations 1988, namely :—

1. (1) These regulations may be called the Employees' Provident Fund Organisation Statistical Assistant (Amendment) Recruitment Regulations, 1990.

(2) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the covering notification, the para 5 relating to power to relax shall be substituted as follows :—

"5. Power to relax :—Where the Central Board is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these regulations with respect to any class or category of persons".

No. P.IV/1(6)/89.—In exercise of the powers conferred by sub-section 7(a) of Section 5(D) of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Board of Trustees hereby makes the following rules further to amend the Employees' Provident

Fund Organisation, Vigilance Assistant Recruitment Regulations, 1986 namely :—

1. (1) These Regulations may be called the Employees' Provident Fund Organisation Vigilance Assistant (Amendment) Recruitment Regulations, 1990.

(2) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the covering notification, the para 5 relating to power to relax shall be substituted as follows :—

"5. Power to relax :—Where the Central Board is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these regulations with respect to any class or category of persons".

No. P.IV/1(6)/89.—In exercise of the powers conferred by sub-section 7(a) of Section 5(D) of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Board of Trustees hereby makes the following rules further to amend the Employees' Provident

Fund Organisation Cook-cum-Guest House Attendant Recruitment Rules, 1986 namely :—

1. (1) These rules may be called the Employees' Provident Fund Organisation Cook-cum-Guest House Attendant (Amendment) Recruitment Rules, 1990.

(2) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the covering notification, the para 5 relating to power to relax shall be substituted as follows :—

"5. Power to relax :—Where the Central Board is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons".

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.—WHEREAS the employees of the establishments mentioned in Schedule I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

AND WHEREAS, I. B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

NOW, THEREFORE, IN exercise of the power conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I. B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishments with retrospective effect from the date mentioned against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Coimbatore from the operation of the said scheme for and upto a period of three years.

SCHEDULE — I

Sl. No.	Name and Address of the Establishment	Code No.	Effective date of exemption
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	M/s. Kuleshwarar Mills, 'A' Unit, 10/8, Anuparpalayam, Post Office Box No. 2427, COIMBATORE. 641009.	TN/52	1-12-1986
2.	M/s. Coimbatore Marugan Mills,, Mettupalayam Road, Post Office Box No. 7004, COIMBATORE - 641 043.	TN/58	1-12-1986
3.	M/s. Om Parasakthi Mills, Post Office Box No. 2019, Ganapathy Post — COIMBATORE -641 006.	TN/1163	1-12-1986
4.	The In lia Cements Limited, Sakuri West, (Post) SALEM - 637 303.	TN/4648 & TN/4648-A	1-6-1987

SCHEDULE II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause(a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the

interest of the employees the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/pt. I/3135.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

AND WHEREAS, I. B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme):

NOW, THEREFORE, IN exercise of the power conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I. B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishments with retrospective effect from the date mentioned against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C., Andhra Pradesh from the operation of the said scheme for and upto a period of three years.

SCHEDULE - I

Sl. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	Effective date of exemption	C. P. F. C's. File No.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	M/s. India Leaf Spring Manufacturing Co. (P) Ltd., 61/A, Mahatma Gandhi Road, SECUNDERABAD-500003 (Andhra Pradesh).	AP/2207	1-3-1987	2/2693/90-DLI
2.	M/s. The Tirumala Tirupathi Devasthanam Co-operative Stores Limited, No. 4-344, Post Box No. 21, TIRUPATHI - 517501. Chithore District (Andhra Pradesh).	AP/2301	1-6-1988	2/2694/90-DLI
3.	M/s. Kapardi Straw Boards, Navalak Gardens, NELLORE-524002 (Andhra Pradesh).	AP/3281	1-6-1988	2/2696/90-DLI
4.	M/s. Hyderabad Race Club, Malakpet, HYDERABAD - 500036 (Andhra Pradesh).	AP/4031	1-12-1988	2/2697/90-DLI
5.	M/s. Hagglunds Dewison Ltd., Patan Cheru - 502319, Modak District (Andhra Pradesh).	AP/4239	1-3-1989	2/2698/90-DLI
6.	M/s. Volrho Limited, (Factory) Patancheru - 502319 (Distt. Medak), Regd. Office : 115, Park Lane, SECUNDERABAD-500003 (Andhra Pradesh).	AP/4292	1-3-1988	2/2699/90-DLI

1	2	3	4	5
7.	M/s. Venkateshwara Hutcheries Private Limited, 4/H, Subhodaya Apartments, 4/1/1233, Boggulkunta, HYDERABAD-500001 (Andhra Pradesh).	AP/7350	1-2-1989	2/2700/90-DLI
8.	M/s. The Andhra Pradesh Mahesh Co-operative Urban Bank Ltd., Adm. Office 14-7/30 & 31, Begum Bazar, HYDERABAD-500012 (Andhra Pradesh).	AP/13340	1-3-1989	2/2701/90-DLI
9.	M/s. Circular Paper Mills Ltd., 3/491, Lakshmipuram, NELLORE - 524002 (Andhra Pradesh).	AP/16282	1-5-988	2/2702/90-DLI
10.	M/s. Standard Equity Fund Limited, 5-9-88/2, Sapphire Building, Fateh Maidan, HYDERABAD-500001.	AP/17049	1-12-1987	2/2704/90-DLI
11.	M/s. Lakshmi Finance and Industrial Corporation Ltd., 1-10-60/3, Begumpet, HYDERABAD-500016 (Andhra Pradesh).	AP/17791	1-3-1989	2/2705/90-DLI

SCHEDULE II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause(a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a

reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/pt. I/3154.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

AND WHEREAS, I. B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme) :

NOW, THEREFORE, IN exercise of the power conferred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I. B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishments with retrospective effect from the date mentioned against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Rajasthan from the operation of the said scheme for and upto a period of three years.

SCHEDULE-I

RAJASTHAN

Sl. No.	Name and Address of the Establishment	Code No.	Effective date of exemption	C.P.F.C.'s File No.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	M/s. Murwar Cardboard & Paper Mills, JODHPUR.	RJ/2979	1-12-1988	2/2665/90/DLI
2.	M/s. Rajasthan Synthetics, Opp. Higher Secondary School, (Post Box No. 36), BHILWARA-4311001 (Rajasthan).	RJ/4188	1-12-1988	2/2324/90/DLI
3.	M/s. G. S. Textiles Pvt. Limited, I-RIICO Industrial Area, Biliya, BHILWARA.	RJ/4240	1-1-1989	2/2325/89/DLI
4.	M/s. Abrasive India, JODHPUR.	RJ/4252	1-11-1988	2/2326/89/DLI
5.	M/s. M. R. Mor Fabrics Pvt. Limited, Regd. Office : 6, Shivaji Nagar, UDAIPUR-313001.	RJ/4620	1-9-1988	2/2275/89/DLI
6.	M/s. Master Calendar, BALOTRA.	RJ/4306	1-1-1989	2/2667/90/DLI
7.	M/s. Chhaganlal Textile, JODHPUR.	RJ/4565	1-2-1989	2/2668/90/DLI
8.	M/s. Jodhpur Sahkari Bhoomi Vikas Bank Ltd., JODHPUR.	RJ/4607	1-10-1988	2/2327/90/DLI
9.	M/s. Chemical & Minerals Industries Pvt. Ltd., JODHPUR.	RJ/2617	1-3-1989	2/2666/90/DLI
10.	M/s. Gutam Processors (P) Limited, BHILWARA (Rajasthan).	RJ/4710	1-10-1988	2/2328/89/DLI
11.	M/s. Rahul Chemicals, GOTAN.	RJ/4749	1-1-1989	2/2670/90/DLI
12.	M/s. Liberty Pesticides & Fertilizers (P) Ltd., F/225, Mewar Industrial Area, UDAIPUR-313001.	RJ/2814	1-12-1988	2/2678/90/DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause(a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas, an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme

appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of

assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM,
Central Provident Fund Commissioner

KHAS YOL CANTONMENT BOARD

Khas Yol, the 31st March 1990

S.R.O. No. KY/G/8.—WHEREAS, a public notice relating to certain amendments in the Khas Yol Cantonment Bye-laws for Regulating Inspection and giving of copies of Cantonment Records and Documents published in the notification of the Ministry of Defence S.R.O. No. 395 dated the 22nd November, 1958, was published as required by sub-section (1) of section 284 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), under Cantonment Board, Khas Yol Notice No. KY/G/8 dated the 5th April, 1989 for inviting objection and suggestion from all persons likely to be affected thereby till the expiry of a period of thirty days from the date of publication of the said notice;

AND WHEREAS, no objection and suggestion was received before date specified;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by section 60 of the said Act, Cantonment Board, Khas Yol, with previous sanction of the Central Government hereby makes the following amendments in the notification of Ministry of Defence S.R.O. No. 395 dated the 22nd November, 1958, namely:—

BYE-LAWS

1. (1) These bye-laws may be called the Khas Yol Cantonment Bye-laws Regulating Inspection and Giving of Copies of Cantonment Records and Documents (Amendment) Bye-laws 1989.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Khas Yol Cantonment Bye-laws Regulating Inspection and Giving of Copies of Cantonment Records and Documents for Bye-law 5, the following bye-laws, shall be substituted, namely:—

“5. The following charges shall be made for the supply of copies:—

(1) Ordinary charges	English	Vernacular
(a) for the first 200 words or portion thereof.	Rs. 5 00	Rs. 1-50
(b) For every additional 100 words or a portion thereof.	Rs. 1-50	Rs. 0-75

- (2) For maps and plans, a charge of Rs. 5.00 for each square feet or a portion thereof tracing paper used shall be made:

Provided that if the Executive Officer considers that in view of the laborious nature of the work a special charge should be made, he may fix a special charge not exceeding Rs. 50/-.

- (3) For supplying a duplicate of a licence, pass Octroi transit pass, Octroi repair pass or permit Rs. 2/- per copy”.

S.R.O. No. KY/G/8/8.—WHEREAS, a public notice relating to certain amendments in the Khas Yol Cantonment Bye-laws for Regulation of Erection of Temporary structures, published in the Notification of erstwhile Defence Department, New Delhi No. 165 dated the 7th November, 1942, was published as required under sub-section (1) of section 284 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924) under the Cantonment Board, Khas Yol, notice No. KY/G/8 dated the 5th April, 1989, for inviting objections and suggestions

from all persons likely to be affected thereby till the expiry of a period of thirty days from the date of publication of said notice;

AND WHEREAS, no objection and suggestion has been received before the date specified;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by section 60 of the said Act, Cantonment Board, Khas Yol, with the previous sanction of the Central Government hereby makes the following amendments in the notification of the erstwhile Defence Department No. 165 dated the 7th November 1942, namely:—

1. (1) These bye-laws may be called the Khas Yol Cantonment the Erection of Temporary Structures (Amendment) Bye-laws, 1989.

- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Khas Yol Cantonment Bye-laws for Regulation of Erection of Temporary Structures, for bye-law 2, the following bye-law shall be substituted namely:—

“2. Any person who commits a breach of the above bye-law or conviction before a Magistrate, shall be punishable with a fine which may extend two hundred rupees, and in the case of continuing breach, with an additional fine which may extend to forty rupees for every day during which such breach continues after conviction for first such breach”.

S.R.O. No. KY/G/8-10.—WHEREAS, a draft of certain bye-laws to amend the bye-laws for the Registration and Control of Dogs and the Prevention of Rabies in the Khas Yol Cantonment, published in the notification of the Government of India in the late Defence Department, No. 163, dated the 7th November, 1942, was published as required by section 284 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924) under the Cantonment Board, Khas Yol Public notice No. KY/G/8, dated the 22nd June, 1989, for inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby till the expiry of a period of thirty days from the date of publication of the said notice;

AND WHEREAS, no objection or suggestion has been received from any person by the Cantonment Board;

NOW, THEREFORE in exercise of the powers conferred by section 119 read with sub-section (30) and (31) of section 282 and section 283 of the said Act, the Cantonment Board Khas Yol, having been approved and confirmed by the Central Government, hereby makes the following amendment in the bye-laws for the Registration and Control of Dogs and Prevention of Rabies in the Khas Yol Cantonment published in the late Defence Department Notification No. 163 dated the 7th November, 1942, namely:—

BYE-LAWS

1. (1) These bye-laws may be called the Bye-laws for the Registration and Control of Dogs and Prevention of Rabies in the Khas Yol Cantonment (Amendment) 1989.

- (2) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

2 In bye-law 6, for the words “annas eight”, the words “rupee five” shall be substituted.

Foot Note

Original Bye-laws were published vide S.R.O. No. 163 dated the 7th November, 1942.

The 30th April 1990

S.R.O. No. KY/G/8-7.—WHEREAS, a public notice relating certain amendments in the Khas Yol Cantonment Bye-laws for Regulating Registration of Births, Deaths and Marriages published in the Notification of the erstwhile Defence Department, Cantonment Regulations, New Delhi No. 961 dated the 30th May 1942, was published as required under sub-section (1) of section 284 of Cantonments Act, 1924 (2 of 1924) under the Cantonment Board, Khas Yol notice No. KY/G/8-7 dated the 24th April, 1989 for inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby till the expiry of a period of thirty days from the date of publication of the said notice;

AND WHEREAS, no objection or suggestion was received before the date specified;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by section 60 of the said Act the Cantonment Board, Khas Yol, with the previous sanction of the Central Government hereby makes the following amendments in the notification of the erstwhile Defence Department, Cantonment Regulations, New Delhi No. 961 dated the 30th May, 1942, namely :—

BYE-LAWS

1. (1) These bye-laws be called the Khas Yol Cantonment Bye-laws for Regulating Registration of Births, Deaths and Marriages (Amendment) Bye-laws 1989.
- (2) They shall come into force on date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Khas Yol Cantonment Bye-laws for Regulating Registration of Births, Deaths and Marriages, for clause 14, the following clause shall be substituted, namely :—

“14. Any person applying for a certified copy of an entry in the birth, death or marriage register shall be furnished with such copy signed by the Executive Officer and sealed with the seal of the Cantonment Board, on payment of a fee of rupees two. In case where insufficient or incorrect information is supplied by the applicant a further fee of fifty paise may be charged in respect of every year for which register has to be searched.”

The 15th May 1990

S.R.O. No. KY/G/8-12.—WHEREAS, a public notice relating to certain amendments in the Khas Yol Cantonment Bye-laws for Regulation or Prohibition of Use or Occupation of street or Public Place by Itinerant Vendors or by other persons published under the late Defence Department Notification No. 960 dated the 30th May, 1942, was published as required by sub-section (1) of section 284 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), under the Cantonment Board Khas Yol Notice No. KY/G/8-12 dated the 25th March, 1989, for inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby till the expiry of a period of thirty days from the date of publication of the said notice;

AND WHEREAS no objection and suggestion was received before the date specified;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by section 60 of the said Act, the Cantonment Board, Khas Yol, with the previous sanction of the Central Government hereby makes the following amendments in the late Defence Department Notification No. 960 dated the 30th May, 1942, namely :—

BYE-LAWS

1. (1) These bye-laws may be called the Khas Yol Cantonment Regulation or Prohibition of Use or Occupation of street or Public Place by Itinerant Vendors or other persons (Amendment) Bye-laws, 1989.

- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Khas Yol Cantonment Bye-laws Regulation or prohibition of Use or Occupation of Street or Public Place by Itinerant Vendors or by other persons, for bye-law 3, the following bye-law shall be substituted, namely :—

“3. A fee of Re. 1/- per month for an area of one square feet shall be charged for the use or occupation by any person for any portion of any street or public place for which permission has been granted under bye-law 1.”

R. C. BHOLA,
Cantonment Executive Officer,
Khas Yol

MINISTRY OF DEFENCE

CANTONMENT BOARD, DALHOUSIE CANTONMENT

Dalhousie Cantonment, the 25th May 1990

SRO-CBD-5, 1/11.—Whereas, a public notice of certain draft, in supersession of the SRO No. CBD-5/1/137 dated 1st March, 1988, published in the Gazette of India, Part III Section 4 dated 19th March, 1988, imposing Profession Tax within the limits of Dalhousie Cantonment, was published on the 28th December, 1989 by affixing the same in conspicuous part of the Cantonment Board Dalhousie, as required by section 61 read with section 255 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby till the expiry of a period of thirty days from the date of publication of the said notice;

And whereas, no objections and suggestions were received from the public by the Cantonment Board, Dalhousie during the period specified in the notice;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 60 of the Cantonment Act, 1924 (2 of 1924), the Cantonment Board, Dalhousie, with previous sanction of Central Government hereby imposes, a tax, to be known as “Profession Tax” within the limits of Dalhousie Cantonment, at the rates specified in the Schedule annexed hereto;

Provided that any military person carrying on any one or more of the said trade and profession or calling in connection with the performance of his military duty shall not be liable to the payment of the said tax; and

- (i) Any person other than those under items 20 and 21 in the Schedule carrying on more than one trade, profession or calling in the same premises shall not be required to pay as such tax, an amount in excess of two hundred and fifty rupees per year or part thereof in respect of all such trades, professions or callings;
- (ii) Any person carrying on more than one trade, profession or calling in more than one place, within the Cantonment limits shall not be required to pay as such tax, an amount in excess of two hundred rupees per year or part thereof in respect of all trades, professions, or callings carried on in each of such places;
- (iii) Any Buildings and Roads contractor doing works under items 20 and 21 shall not be required to pay “Profession Tax” more than rupees two thousand and five hundred per year or part thereof.

THE SCHEDULE PROFESSION TAX

Sl. No.	Class of persons liable to the payment of the tax	Rate of tax per year or part of a year
(1)	(2)	(3)
1.	Regimental Contractor (to include all trades within his unit contract)	Rs. 200/-
2.	A.S.C. Meat Contractor	Rs. 200/-
3.	A.S.C. Wood Contractor	Rs. 200/-
4.	A.S.C. Vegetable, Potato and Onion Contractor.	Rs. 200/-
5.	A.S.C. Vegetable Contractor	Rs. 100/-
6.	A.S.C. Potato Contractor	Rs. 50/-
7.	A.S.C. Onion Contractor	Rs. 50/-
8.	A.S.C. Quick Lime and Charcoal Contractor.	Rs. 50/-
9.	A.S.C. Poultry, eggs and fish Contractor	Rs. 150/-
10.	A.S.C. Dry and Fresh Fruit Contractor	Rs. 100/-
11.	A.S.C. Hired Transport Contractor	Rs. 100/-
12.	A.S.C. Mineral Water Contractor	Rs. 50/-

(1)	(2)	(3)
13. Grass Contractor Military Farms		Rs. 50/-
14. State Electricity Board		Rs. 250/-
15. Dealer in Electric Goods		Rs. 50/-
16. Electrician or Mechanic		Rs. 100/-
17. Electric Wiring Contractor		Rs. 100/-
18. Motor Transport Company including any State Road Transport Corporation		Rs. 200/-
19. Proprietor of Cinema		Rs. 100/-
20. Buildings and Roads Contractor doing works upto a total amount of rupees five thousand		Rs. 30/-
21. Buildings and Roads Contractor doing works upto the total value of more than rupees five thousand. For each additional five thousand rupees or part thereof	Rs. 20/-	
22. Seller of Motor Car, Motor Cycle and their accessories.		Rs. 100/-
23. Dealer in Radio or Tape Recorders		Rs. 100/-
24. Maker and vender of boots and shoes.		Rs. 100/-
25. Dealer in boots and shoes		Rs. 250/-
26. Cloth Merchant		Rs. 250/-
27. Photographer or dealer in photo goods		Rs. 50/-
28. Medical practitioner		Rs. 200/-
29. Chemist and Druggist		Rs. 100/-
30. Dealer in furniture		Rs. 100/-
31. Seller of English or Country Liquor		Rs. 250/-
32. Seller of Sewing Machines or accessories		Rs. 30/-
33. Proprietor of Tailoring Shop		Rs. 100/-
34. Tailor		Rs. 50/-
35. Draper and outfitter		Rs. 50/-
36. Goldsmith and silversmith		Rs. 100/-
37. Blacksmith or Tinsmith or Welder		Rs. 100/-
38. Maker of Bread, Biscuits and Cakes		Rs. 50/-
39. Tobaccoist, Cigarettes or Betel Seller		Rs. 20/-
40. Painter		Rs. 20/-
41. Proprietor of Angora Farm (Rabbit Wool)		Rs. 50/-
42. Meat Seller		Rs. 100/-
43. Seller of Bread & Biscuits		Rs. 20/-
44. Sweetmeat Seller		Rs. 100/-
45. Dyer or Dry-Cleaner		Rs. 50/-
46. Manufacturer or seller of sports goods		Rs. 20/-
47. Maker or seller of Ghee		Rs. 20/-
48. Seller of Kerosine Oil		Rs. 10/-
49. Keeper of animals for profit		Rs. 50/-
50. Repairer of Boots and Shoes		Rs. 25/-
51. Carpenter		Rs. 25/-
52. Repairer or seller of clocks and watches		Rs. 50/-
53. Barber		Rs. 20/-
54. Keeper of shaving saloon		Rs. 30/-
55. Seller of old cloths or other articles (Kabaries)		Rs. 50/-
56. Newspaper agents		Rs. 50/-
57. Hawker of articles of food or drinks		Rs. 20/-
58. Hawker of articles other than food or drinks		Rs. 50/-
59. Dealer in perfumery or hair oil		Rs. 20/-

(1)	(2)	(3)
60. Dealer in hay, straw, fuelwood, charcoal or other inflammable material		Rs. 50/-
61. Dealer in timber		Rs. 100/-
62. Dealer in Cigarettes Wholesale		Rs. 50/-
63. Book Seller		Rs. 50/-
64. Poultry and fish seller		Rs. 50/-
65. Fruit and vegetable seller.		Rs. 50/-
66. Wheat, Rice or other grain seller (Baza Shop)		Rs. 25/-
67. Ice and mineral Water Seller		Rs. 20/-
68. Washerman		Rs. 20/-
69. Keeper of Hotel		Rs. 200/-
70. Keeper of Refreshment of Cafe		Rs. 50/-
71. Proprietor Petrol Pump Keeper		Rs. 250/-
72. Nanbai or Tandoor Wala		Rs. 50/-
73. Leather or Skin Seller		Rs. 50/-
74. Seller or supplier of Bajri, Bricks or Stones & Sand.		Rs. 100/-
75. Pakauras, Kabab or other Petty dealer not mentioned elsewhere in the Schedule.		Rs. 25/-
76. Seller of milk, curd or tea		Rs. 20/-
77. Grain parchers (Bharbhoonjas)		Rs. 20/-
78. Copper or Brassware Merchant		Rs. 25/-
79. Seller of Oilman Stores or grocers		Rs. 20/-
80. General Merchant		Rs. 250/-
81. Dealer in Carpets		Rs. 50/-
82. Seller of Churian		Rs. 25/-
83. Seller of Soap		Rs. 10/-
84. Seller of Crockery		Rs. 10/-
85. Dealer of Sugar (Whole Sale)		Rs. 25/-
86. Dealer in Sugar (Retail)		Rs. 20/-
87. Dealer in pure vegetable products		Rs. 20/-
88. Dealer in building material		Rs. 50/-
89. Seller of toilet requisites		Rs. 20/-
90. Seller of Stationery		Rs. 20/-
91. Seller of wool		Rs. 50/-
92. Seller of toys		Rs. 50/-
93. Dealer in stove accessories		Rs. 10/-
94. M.E.S. Furniture Supply Contractor		Rs. 100/-
95. Cantonment Board Bazar Supply Contractor.		Rs. 100/-
96. Hawker of articles of food or drink for a short period		Rs. 10/- per mensum.
97. Hawker of articles other than food or drink for a short period.		Rs. 20/- per mensum
98. Wholesale dealer in cigarettes and tobacco.		Rs. 50/-
99. Wholesale dealer in tea		Rs. 100/-
100. Resin Contractor		Rs. 250/-
101. Vaidya		Rs. 30/-
102. Dealer in Umbrella		Rs. 10/-
103. Dealer in stainless steel utensils		Rs. 50/-
104. Dealer in T.V. Sets or V.C.R. or Video Cassetts.		Rs. 250/-
105. Printing Press		Rs. 150/-
106. Supplier of Indane Gas (Cooking Gas)		Rs. 250/-
107. Saw Mills or Grinding Machine		Rs. 250/-
108. Owner of Taxies		Rs. 50/-
109. Any other profession holder not mentioned elsewhere in this Schedule		Rs. 25/-

U.S. PARMAR,
Cantonment Executive Officer,
Dalhousie Cantonment

CENTRAL WAREHOUSING CORPORATION

(A GOVT. OF INDIA UNDERTAKING)

New Delhi-110016, the 18th May 1990

NOTICE

No. CWC/III-1/32/90-B&C.—In pursuance of Rule 13 of the Central Warehousing Corporation Rules, 1963, the name and address of the Director duly elected in the existing vacancy on 25-4-90 from the class of shareholders specified in clause (f) of sub-section 1 of Section 7 of Warehousing Corporations Act, 1962 w.e.f. 25-4-90 to 17-3-91 is notified as under :—

Class of shareholders	Name & address of the Director
Insurance Companies, Investment Trusts and other financial institutions, recognised associations and companies dealing in agricultural produce or notified commodities.	Sh. Brajraj General Manager The Oriental Insurance Co. Ltd., New Delhi

M. MASEEH
Secretary

PHARMACY COUNCIL OF INDIA

New Delhi-110002, the 23rd May 1990

CORRIGENDUM

No. 17-1/89-PCI/1194-1230.—In the notification of resolutions passed by 49th meeting of the Pharmacy Council of India and published in the Gazette of India No. 4, Part-III, Section-4 dated 27th January 1990 (on page Nos. 913 to 921) the following corrigendum is issued :—

1. In resolution No. 49-PCI/668 (on page 914) after the words 'Hyderabad' in the fifth line of para (2) and before the words 'to be an approved' add the sentence, "during the session mentioned above."

2. In resolution No. 49-PCI/673 (on page 915) in second column against M.M.J.G. College of Pharmacy, Lakshmeshwar,

For
"49"

Read
"40"

3. In resolution No. 49-PCI/692 (on page 919, contd. on 920) in third line of para(2) :

For
"Diploma"

Read
"Degree"

4. In resolution No. 49-PCI/697 (on page 920) in fourth and fifth line of para (2) :

For
"held by the Board of
Examinations in Pharmacy
held by Dr. Hari Singh Gaur
Vishwavidalaya, Sagar"

Read
"held by Dr. Hari Singh"
Gaur Vishwavidalaya,
Sagar"

DEVINDER K. JAIN
Registrar-cum-Secretary

UNIT TRUST OF INDIA

Bombay, the 11th May 1989

No. UT/401/DPD(P&R)89/Vol.X/89-90.—The provisions of the Growing Income Unit Scheme-1990 (Cumulative and Non-Cumulative) formulated under Section 21 of the Unit Trust of India Act, 1963 and approved by the Executive Committee in the meeting held on November, 1989 are published here below for general information :

GROWING INCOME UNIT SCHEME 1990

(CUMULATIVE AND NON-CUMULATIVE)

In exercise of the powers conferred by Section 21 of the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963), the Board of

the Unit Trust of India hereby makes the following Unit Scheme :—

I. Short title and commencement

(1) This Scheme shall be called "GROWING INCOME UNIT SCHEME" (Cumulative and Non-Cumulative), 1990 and shall be for a period of 5 years and six months i.e. 66 months.

(2) It shall come into force on the 1st day of January 1990.

II. In this Scheme, unless the context otherwise requires

(a) the "Act" means the Unit Trust of India Act, 1963;

(b) "Acceptance date" means the date on which the letter of conversion which is sent by the unitholder is accepted by the Trust, which shall not be later than 31st January 1990;

(c) "Number of units to be in issue" means the aggregate of the number of units sold and outstanding;

(d) "recognised stock exchange" means a stock exchange which is, for the time being recognised under the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956);

(e) "Regulations" means Unit Trust of India General Regulations, 1964 made under Section 43(1) of the Act;

(f) "unit" means one undivided share of the face value of Rupees 10 in the unit capital;

(g) all other expressions not defined herein but defined in the Act shall have the respective meanings assigned to them by the Act.

III. Face value of each Unit

The face value of the each Unit shall be "Ten" rupees.

IV. Application for Units

1. An applicant under the Scheme shall be a unitholder under Income Unit Scheme 1985 who has exercised the option to hold such number of units under this Scheme as may converted.

2. Applications shall be made in such form as may be approved by the Chairman of the Trust.

3. A unit certificate will be sent by registered post with or without acknowledgement due to the address given by the applicant; and the Trust will not incur any liability for loss, damage, misdelivery or non-delivery of the unit certificate, so sent.

V. Conversion

This conversion of units from Income Unit Scheme 1985 to this Scheme by the Trust shall be deemed to have been concluded on the acceptance date. On such conclusion, the Trust, shall, as soon thereafter as possible, send the applicant an acknowledgement thereof. As soon as possible thereafter, the Trust shall issue to the applicant one unit certificate representing the units sold to him, or, if the applicant so desires, such number of certificate for such denomination in multiples of 10 as he may specify.

Upon exercise of the option by a unitholder the Trust shall repurchase the units held by the unitholder under that Scheme at the repurchase price ruling on termination and with immediate effect the unitholder or class of unitholders who have exercised the option shall be deemed to be unitholders under Growing Income Unit Scheme 1990. The excess amount if any which constitutes the premium the units carry as on termination after repurchase shall be reinvested/ refunded to the unitholder/s.

The Trust shall issue to such unitholder/s a fresh certificate in lieu of the certificate already held by him and no claim to units under the old certificate will be entertained by the Trust under any circumstance.

Upon exercise of the option the old certificates with the unitholder shall be deemed repurchased and cancelled and shall not be alive on the register of unitholders.

A unitholder under Income Unit Scheme 1985 who has not exercised the option to convert or who has not repurchased the units as on termination will not be entitled to any other benefit.

VI. Repurchase of units

1. The Trust shall not repurchase units before 1st January 1993.

2. The Trust shall during the currency of the Scheme on and after 1st January 93 repurchase at the repurchase price the form on the reverse thereof duly filled in provided all the units comprised in the certificate/s are tendered for repurchase. No partial repurchase of units represented by the unit certificate/s shall be permitted.

3. Payment for units repurchased by the Trust after deductions if any shall be made as early as possible after the acceptance date in such manner as the applicant may indicate in the application. No interest shall, on any account be payable on the amount due to the applicant and the cost of remittance (including postage) or of realisation or cheque or draft sent by the Trust shall be borne by the applicant.

VII. Restrictions on sale and repurchase of units

Notwithstanding anything contained in any provision of the Scheme, the Trust shall not be under an obligation to repurchase units :—

- (i) on such days as are not working days; and
- (ii) during the period when the register of unitholders is closed in connection with (as notified by the Trust) the annual closing of the books and accounts.

Explanation : For the purposes of this scheme, the term "working day" shall mean a day which has not been either (i) notified under the Negotiable Instruments Act, 1881, to be a public holiday in the State of Maharashtra or such other States where the Trust has its offices; or (ii) notified by the Trust in the Gazette of India as a day on which the office of the Trust will be closed.

VIII. Conversion or repurchase to be as on the acceptance date

The conversion or repurchase of units by the Trust shall be as on the acceptance date at the respective prices prevailing on that date.

IX. Sale and repurchase prices :

1. The Units shall be converted at Rs. 10/- to all unitholders exercising the option to join the Scheme.

2. The price at which a unit will be repurchased by the Trust (hereafter referred to as "the repurchase price") shall be determined by the Trust on the 15th December 1992 and thereafter on the 15th of every month or the next working day, if that day happens to be a holiday and shall apply to repurchases in the succeeding month.

3. The repurchase price shall be arrived at by dividing the value (determined as hereinafter indicated) as at the close of business on the working day on which the repurchase price is determined, of the assets pertaining to this Scheme, reduced by liabilities pertaining to this Scheme (not being contingent liabilities or liabilities in respect of the unit capital including reserves, if any) as at the close of business on the said working day, by the number of units in issue as at the close of business on the said day, deducting there from such sum as in the opinion of the Trust is adequate to cover brokerage, commission, taxes if any, stamp duties and other charges in relation to the realisation of investments by the Trust and adjusting downwards the resulting price by not more than ten paise per unit.

4. The repurchase price of a unit shall be arrived at on which the repurchase price is arrived at.

5. Notwithstanding anything contained to the contrary in sub-clauses (2), (3) and (4) when the Trust is satisfied that in the interest of the Trust, the unitholders and of the continuance and growth of the Scheme, it is necessary or expedient to do so, the Trust may determine the repurchase price at a rate which may not necessarily be in

accordance with the provisions of sub-clause (3) and any such determination shall be deemed to be in the interest of the Trust and the unitholders.

6. Notwithstanding anything contained to the contrary in sub-clause (2), the Trust may determine the repurchase price on any date other than the 15th day of a month and may deem any price fixed by it effective for such period as it may deem fit.

7. In the event of a termination of the Scheme in the manner as specified in Clause XXVI hereof the Trust shall determine the repurchase price by valuing the assets pertaining to the Scheme as at the close of business on the date notified for termination reduced by the liabilities pertaining to the scheme and dividing them by the number of units outstanding and deducting therefrom such sum as in the opinion of the Trust is adequate to cover brokerage, commission, taxes, if any, stamp duties and other charges in relation to realisation of investments by the Trust and other adjustments and the expenditure in connection with the closure and payment of the distribution to the unitholders of the assets in respect of the scheme. In such an event the repurchase prices shall in addition to the pay value bear the other distributable component of the asset per unit arrived at by the Trust in a manner satisfactory to its auditors and as the Board may approve.

X. Publication of repurchase price/final repurchase price

(a) The Trust shall, as early as possible after the determination of the repurchase price, publish in such manner as it may deem fit, the repurchase price of units.

(b) Upon termination of the Scheme in the manner provided in clause XXVI hereof the Trust shall as early as possible after determining the final repurchase price publish it in such manner as it may deem fit.

(c) The final repurchase price at which the units will be repurchased will be at least at a premium of Rs. 0.20/- per unit of the face value of Rs. 10/-. This price will apply to units sold both under the cumulative and non-cumulative scheme.

XI. Valuation of assets pertaining to this Scheme

(1) For the purposes of valuation of the assets under sub-clause (2) of Clause IX, the assets shall be classified into : (a) cash, (b) investments, and (c) other assets.

2. Investments shall be valued by taking :

A. (a) the closing prices on the stock exchange as on the working day on which the valuation is made of the securities held by the Trust pertaining to this Scheme; Provided where a security is quoted on more than one stock exchange, the manner of determining the price of such security shall be decided by the Trust;

(b) where any investment was not, during the relevant period, dealt in, or quoted on any recognised stock exchange, such value, as the Trust may, in the circumstances consider to be the fair value of such investment; and

B. adding thereto :—

(a) in the case of interest earning deposits, interest accrued but not received;

(b) in the case of Government securities and debentures, interest accrued but not received; and

(c) in the case of preference shares and equity shares quoted ex-dividend, any dividend declared but not received.

(3) Other assets shall be valued at their book value.

XII. Form of Unit certificate

Unit certificate shall be in Form Annexed hereto. Each Unit certificate shall bear a distinctive number, the number of units represented by the certificate and the name of the unitholder.

XIII. Manner of preparation of Unit certificate

The Unit certificates may be engraved or lithographed or printed as the Board may, from time to time, determine and shall be signed on behalf of the Trust by two persons duly authorised by the Trust. Every such signature may either be autographic or may be effected by a mechanical method. No Unit certificate shall be valid unless and until it is so signed. Unit Certificates so signed shall be valid and binding notwithstanding that, before the issue thereof; any person whose signature appears thereon, may have ceased to be a person authorised to sign Unit certificates on behalf of the Trust. Provided that should the Unit certificate so prepared contain the signature of an authorised person who however is dead at the time of issue of the certificate, the Trust may by a method considered by it as most suitable, cancel the signature of such a person appearing on the certificate and have the signature of any other authorised person affixed to it. The Unit certificate so issued shall also be valid.

XIV. Trusts not to be recognised regarding Unit certificates

The person who is registered as the holder and in whose name a Unit certificate has been issued shall be the only person to be recognised by the Trust as the unitholder and as having any right, title or interest in or to such Unit certificate and the units which it represents; and the Trust may recognise such unitholder as absolute owner thereof and shall not be bound by any notice to the contrary or to take notice of the execution of any trust or, save as herein expressly provided or as by some court of competent jurisdiction ordered, to recognise any trust or equity or other interest represented.

XV. Exchange of unit certificates and procedures when certificate is mutilated, defaced, lost etc.

(1) In case any Unit certificate shall be mutilated or worn or defaced, the Trust in its discretion, may issue to the person entitled a new Unit certificate representing the same aggregate number of units as the mutilated or worn or defaced Unit certificate. In case any unit certificate should be lost, stolen or destroyed, the Trust may, in its discretion, issue to the person entitled a new Unit certificate in lieu thereof. No such new Unit certificate shall be issued unless the applicant shall previously have

- (i) furnished to the Trust evidence satisfactory to it of the mutilation, wearing out, defacement, loss, theft or destruction of the original unit certificate;
- (ii) paid all expenses in connection with the investigation of the facts;
- (iii) (in case of mutilation or wearing out or defacement) produced and surrendered to the Trust the mutilated or worn out or defaced unit certificate; and
- (iv) furnished to the Trust such indemnity as it may require.

The Trust shall not incur any liability for issuing such certificate in good faith under the provisions of this clause.

(2) Before issuing any certificate under the provisions of this clause, the Trust may require the applicant for the Unit certificate to pay a fee of Rupee one per Unit certificate issued by it together with a sum sufficient in the opinion of the Trust to cover stamp duty, if any, or other charges or taxes including postal registration charges that may be payable in connection with the issue and despatch of such certificate.

XVI. Register of unitholders :

The following provisions shall have effect with regard to the registration of unitholders :

- (1) A register of the unitholders shall be kept by the Trust at its Head Office and there shall be entered in the register :
 - (a) the names and addresses of the unitholders;
 - (b) the distinctive number of the unit certificate and the number of the units held by every such person; and

(c) the date on which such person became the holder of the units standing in his name.

- (2) (a) If a Unit certificate stands registered in the names of two persons, such persons shall be deemed to hold the Unit certificates jointly and a discharge by the person first named in the register of the unitholders shall, as regards receipt of amounts due in respect of such units, discharge the Trust in respect of such amounts.
- (b) Where two individuals, none of them being a minor, apply for issue of a Unit certificate in their favour and request in the application that either of them should be permitted to deal with the units, the Trust shall record in its books suitable entries to take note of such requests, and when a Unit certificate has been issued in such circumstances, then either of the holders shall be entitled to deal with the units represented by such certificate, and a discharge by either of such persons shall, as regards receipt of amounts due in respect of such units, discharge the Trust in respect of such amounts.

Provided that the income distribution declared in respect of the Units represented by such certificates shall be paid to the person first named in the register of unitholders.

- (3) Any change of name or address on the part of any unitholder shall be notified to the Trust, which, on being satisfied of such change and on compliance with such formalities as it may require shall alter the register accordingly.
- (4) Except when the register is closed in accordance with the provisions in that behalf hereinafter contained, the register shall during business hours (subject to such reasonable restrictions as the Trust may impose but so that not less than two hours on each business day shall be allowed for inspection) be open to inspection by any unitholder without charge.
- (5) The register will be closed at such times and for such periods as the Trust may from time to time determine provided that it shall not be closed for more than 60 days in any one year; the Trust shall give notice of such closure by advertisement in such newspapers as the Board may direct.
- (6) No notice of any trust express implied or constructive shall be entered on the register in respect of any unit.

XVII. Receipt by unitholder to discharge Trust :

The receipt of the unitholder for any moneys paid to him in respect of the units represented by the certificate shall be a good discharge to the Trust.

XVIII. Death or bankruptcy of a unitholder :

- (1) In case of death of either of the joint holders of a Unit certificate, the survivor shall be the only person recognised by the Trust as having title to or interest in the units represented by the unit certificate. Provided that nothing herein contained shall affect any right which any other person may have as against such survivor of the said units.
- (2) In the event of death of a single holder, the nominee shall be the person recognised by the Trust as the person entitled to the amount payable by the Trust in respect of units under the Regulations.
- (3) In the absence of a valid nomination, the executor or administrators of the deceased unitholder or a holder of succession certificate issued under Part X of the Indian Succession Act, 1925 (39 of 1925) shall be the only persons who may be recognised by the Trust as having any title to the Unit.
- (4) Any person becoming entitled to a Unit consequent upon the death or bankruptcy of a unitholder may, upon producing such evidence as to his title as the

Trust shall consider sufficient, be paid the repurchase value of all units to the credit of the deceased at the repurchase price ruling on the date on which all the formalities in connection with the claim have been complied with by the claimant.

IX. Application on behalf of minors :

- (1) An adult individual being a parent, step-parent or other lawful guardian of a minor may apply for the units and deal with them in accordance with and to the extent provided in sub-section (2A) of Section 21 of the Act and in this Scheme.
- (2) Such adult while applying for units shall furnish to the Trust in such manner as may be specified, proof of age of the minor and the capacity to hold and deal with Units on behalf of the minor.

Provided that the Trust shall be entitled to act on the statements made by such adult in the application form without any further proof.

XX. Transfer of units :

- (1) Every unitholder shall be entitled to transfer all or any of the units held by him by an instrument in writing in a form approved by the Chairman of the Trust provided that no transfer shall be registered if the registration thereof would result in the transferor or the transferee being a holder of a No. of units not being a multiple of ten.
- (2) Every instrument of transfer shall be signed by the transferor and the transferee and the transferor shall be deemed to remain the holder of the units transferred until the name of the transferee is entered in the register in respect thereof.
- (3) Every instrument of transfer shall be duly stamped (if under the law it requires to be stamped) and left with the Trust for registration alongwith the relevant unit certificate or certificates and such other evidence as the Trust may require in support of the title of the transferor or his right to transfer the units. For purposes of calculation of the value of stamps to be affixed, the face value of each unit shall be Rs. 10/- i.e. at par until such time the repurchase price is fixed and published by the Trust after 1st Jan. 1993. If the instrument of transfer is not adequately stamped, the Trust reserves the right to reject the instrument of transfer.
- (4) Every instrument of transfer shall be lodged with the Trust for registration at least a month before the period of closure of books (twice a year) alongwith the relevant certificate. If the transfer is registered in the books of the Trust after the period of book closure as the case may be the dividend accruing for the relative half year will be paid to the transferor.
- (5) As an effect of a transfer the nature of the units remain unaltered i.e. a transferee cannot seek conversion from the cumulative scheme to the non-cumulative scheme and vice versa.

XXI. Nomination by unitholders :

Unitholders holding singly or two unitholders holding unit jointly may exercise the right to make or cancel a nomination to the extent provided in the Regulations.

XXII. Investment limits :

- (1) Investments by the Trust from the funds of the Scheme in the securities of any one company shall not exceed 15% of the securities issued and outstanding of such companies.

Provided that the aggregate of such investments in the capital initially issued by new industrial undertakings shall not at any time exceed 5% of the total amount of the said funds.

- (2) The limits prescribed under sub-clause (1) shall not apply to investments of the Trust in bonds deposits

and debentures of a company whether secured or not.

XXIII. Income distribution :

The Trust shall pay dividend to the unitholders at the following rates :

Year (July-June)	Rate
1989-90	12.50%
	(On a pro-rata basis)
1990-91	12.50%
1991-92	12.50%
1992-93	13.00%
1993-94	13.00%
1994-95	14.00%

Under two different options as given below—viz. the cumulative and the non-cumulative Income Distribution options, the unitholder should exercise his right to participate in either of the options at the time of joining the Plan. His decision once made will be irreversible.

Non-Cumulative

- (1) Dividend will be payable every half year ending 31st December and 30th June to those whose names stood on the register of unitholders as on the above dates. The income distributable shall be paid as soon as may be after the expiry of the relevant half year.
- (2) No interest shall be payable by the Trust on such income distributable among the unitholders.
- (3) The income distributable among unitholders shall be paid by means of a warrant payable at par at a branch of a specified bank.

XXIV. Publication of accounts :

The Trust shall as soon as may be after the 30th June of each year cause to be published in such manner as the Board may decide, accounts in the manner specified by the Board, showing the working of the Scheme during the period ending on the 30th June. The Trust shall, on a request in writing received from a unitholder furnish him a copy of the accounts so published.

XXV. Additions and amendments to Scheme

The Board may from time to time add to or otherwise amend this Scheme and any amendment thereof will be notified in the official Gazette.

XXVI. Termination of the Scheme

The Scheme shall stand finally terminated as on 1st July 1995. The outstanding units of the unitholders shall be repurchased during the month July 1995. The unitholders shall be paid the value of their units at the repurchase price fixed for the final repurchase during the above period. Besides receiving the repurchase price determined no further benefit of any kind either by way of increase in the repurchase value or by way of dividend for any subsequent period shall accrue and the repurchase value will be paid by the Trust as early as possible after the unit certificate with the form on the reverse thereof duly completed has been received by it. The Unit certificate received for repurchase shall be retained by the Trust for cancellation.

XXVII. Scheme to be binding on unitholders :

The terms of this Scheme, including any amendments thereof from time to time, shall be binding on each unitholder and every other person claiming through him as if he had expressly agreed that they should be so binding.

XXVIII. Copy of Scheme to be made available :

A copy of this Scheme incorporating all amendments thereto shall be made available for inspection at the offices of the Trust at all times during its business hours on payment of a sum of Rs. 5/-.

XXIX. Benefits to the unitholders :

All benefits accruing under the Scheme in respect of capital reserves and surplus if any available at the time of the closure of the Scheme shall be distributable only among the unitholders who hold the units at its closure.

XXX. Power to construe provisions :

Should any doubt arise as to the interpretation of any of the provisions of the Scheme Chairman or in his absence the Executive Trustee shall have powers to construe the provisions of the Scheme in so far as such construction is not in any manner prejudicial or contrary to the basic structure of the Scheme and such decision shall be final and conclusive.

XXXI. Relaxation/Variation/Modification of provisions :

The Chairman or in his absence the Executive Trustee of the Trust in order to mitigate hardships or for smooth and easy operation of the Scheme, relax, vary or modify any of the provisions of the Scheme in case of any unit-holder, or class of unitholders upon such conditions as may be deemed expedient.

FORM-A**Emblem****UNIT TRUST OF INDIA**

(Incorporated under the Unit Trust of India Act, 1963)

GROWING INCOME UNIT SCHEME 1990

(Cumulative and non-cumulative)

(Clause XII)

Unit Certificate No.

No. of Units

This is to certify that the person/s named in this Certificate is/are the Registered Holder(s) of _____ Units, each of the face value of Rupees Ten subject to the provisions of the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 63), the Regulations framed thereunder and the Growing Income Unit Scheme 1990 (Cumulative and Non-cumulative).

Name/s

FOR THE UNIT TRUST OF INDIA

Date : _____

The Scheme shall stand finally terminated on 31st July, 1995.

TRANSFERABLE

Form of application for repurchase of Units under Growing
Income Unit Scheme 1990
(Cumulative and Non-cumulative)

Date _____

To,

The Unit Trust of India,

I/We _____ am/are the registered holder(s) of _____ units of the Growing Income Unit Scheme 1990 (Cumulative and Non-cumulative) of the Unit Trust of India. I/We, am/are desirous of selling to the Trust all the said _____ units and offer the same for repurchase by the Unit Trust of India at par/at the repurchase price prevailing/determined by the Trust in respect of this application.

The price of the units may be paid to me by* cash£/cheque/bank draft at my cost.

Signature of witness

Signature of witness

Signature/s of holder(s)

1. _____

2. _____

Occupation :

Address :

For the use of the office.

Acceptance date

*Delete inapplicable words.

£Payment in cash permissible only if the amount does not exceed Rs. 10,000/-.

P. P. SHASTRI,
Deputy General Manager (P&P)